चैत्र कृष्ण - 10 | संवत 2081 | वर्ष - 20 | अंक - 236 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » सोमवार » 24-03-2025 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 राणा सांगा ने भारत की संस्कृति को सनातन बनाए रखने में बहुत बड़ा योगदान दिया

6 सुनीता विलियस : साहस से छुआ आसमान

7 उर्वशी रौतेला ने अनाथ लड़कियों की शादी में बांटी जलेबी

फर्स्ट टेक

ओडिशा के छह जिलों में सोमवार को आंधी-तूफान के आसार : आईएमडी

भुवनेश्वर/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने ओडिशा के कई जिलों में सोमवार के लिए आंधी-तूफान का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। आईएमडी के भुवनेश्वर केंद्र के अनुसार, बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, कटक और जगतसिंहपुर जिलों में बादलों की गरज और बिजली चमकने के साथ बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने रविवार शाम के बुलेटिन में कहा कि तटीय जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना है। तटीय ओडिशा और आंतरिक क्षेत्रों में शनिवार को हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई, जबकि गंजम जिले में भारी बारिश हुई। रंगीलुंडा में सबसे अधिक यानी आठ सेमी बारिश दर्ज की गई, उसके बाद छत्रपुर में सात सेमी और अस्का, बुगुडा तथा गंजम में पांच-पांच सेमी बारिश दर्ज की गई। पुरी जिले के काकटपुर और गोप में भी पांच-पांच सेमी बारिश हुई।

अमेरिका ने तालिबान के तीन नेताओं के सिर पर घोषित इनाम वापस लिए

काबुल/एपी। अमेरिका ने तीन प्रमुख तालिबान नेताओं के सिर पर घोषित इनाम वापस ले लिए हैं। इनमें अफगानिस्तान के गृह मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी भी शामिल हैं, जो एक शक्तिशाली नेटवर्क (हक्कानी नेटवर्क) के प्रमुख हैं, जिसपर पश्चिम समर्थित पूर्ववर्ती सरकार के खिलाफ हमले का आरोप है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। सिराजुद्दीन हक्कानी का नाम अब अमेरिकी विदेश मंत्रालय की वेबसाइट 'रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस' पर नहीं दिख रहा है। हक्कानी ने जनवरी 2008 में काबुल के सेरेना होटल पर हमले की योजना बनाने की बात स्वीकार की थी। इस हमले में अमेरिकी नागरिक थॉर डेविड हेलेसा समेत छह लोग मारे गए थे।

सलमान ने रश्मिका के साथ रोमांस पर कहा : अगर उन्हें कोई दिक्कत नहीं है तो आपको क्यों

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड स्टार सलमान खान ने उनकी और 'सिकंदर' फिल्म में उनकी सह-कलाकार रश्मिका मंदाना की उम्र के बीच 31 साल के अंतर की चर्चा करने वालों पर यह कहते हुए कटाक्ष किया कि अगर नायिका को इससे कोई समस्या नहीं है तो सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को क्यों है। ए आर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित 'सिकंदर' फिल्म ईद के मौके पर 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सलमान ने रविवार को इस आगामी फिल्म का ट्रेलर जारी किया और वह भारी सुरक्षा के बीच कार्यक्रम में पहुंचे।

धर्म आधारित आरक्षण संविधान का उल्लंघन है : आरएसएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सरकारी ठेकों में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण देने के कर्नाटक सरकार के फैसले पर जारी बहस के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को कहा कि संविधान धर्म आधारित कोटा की इजाजत नहीं देता। उन्होंने कहा कि इस तरह का आरक्षण बी आर अम्बेडकर द्वारा लिखित संविधान के खिलाफ है।

आरएसएस की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था 'अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा' की तीन दिवसीय बैठक के समापन के अवसर पर यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए होसबाले ने कहा, बाबा साहेब अम्बेडकर द्वारा लिखित संविधान में धर्म आधारित आरक्षण को स्वीकार नहीं किया गया है। ऐसा करने वाला कोई भी व्यक्ति हमारे संविधान निर्माता के खिलाफ जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व में अविभाजित आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र की ओर से किए गए मुसलमानों के लिए धर्म-आधारित आरक्षण लागू करने के प्रयासों को उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय ने खारिज कर दिया था। होसबाले ने इस बात पर जोर दिया कि अदालतों ने ऐसे आरक्षण के प्रावधानों को खारिज किया है।

महाराष्ट्र में स्थित मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को लेकर उठे विवाद के बारे में पूछे गए सवाल पर संघ नेता ने कहा कि औरंगजेब का महिमामंडन किया गया, न कि सामाजिक सद्भाव में विश्वास करने वाले उसके भाई दारा शिकोह का। होसबाले ने कहा कि भारत के मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों को आदर्श बनाया गया।

देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए सभी एकजुट होकर कार्य करें : मुर्मु

हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं। प्रतिबद्धता, निवेश, और वितरण' हमें इस महामारी के खिलाफ एकजुट होकर काम करने के लिए प्रेरित करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने क्षयरोग यानी टी बी को राष्ट्रीय और वैश्विक चुनौती करार देते हुए देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए सभी हितधारकों से एकजुट होकर कार्य करने का आग्रह किया है।

श्रीमती मुर्मु ने रविवार को विश्व क्षयरोग दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा,मैं, विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर जनभागीदारी के माध्यम से जन जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय अभियान की प्रशंसा करती हूं। इस वर्ष का विषय 'हाँ, हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं: प्रतिबद्धता, निवेश, और वितरण' हमें इस महामारी के खिलाफ एकजुट होकर काम करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन एक राष्ट्रीय और वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती है। इस संक्रामक रोग ने विश्व में लाखों लोगों को सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रभावित किया है। टीबी की रोकथाम के लिए हमारे सामूहिक प्रयास और राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत चलाए गए जागरुकता अभियान से देश में पिछले एक दशक में टीबी के मामलों में बहुत कमी आई है। उन्होंने कहा, मैं टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के इस असाधारण योगदान की प्रशंसा करती हूं। मैं भारत को टीबी मुक्त बनाने के लिए सभी हितधारकों और भागीदारों को एकजुट होकर कार्य करने का आग्रह करती हूं।

असम में प्रश्नपत्र लीक के बाद कक्षा 11 की सभी राज्य बोर्ड परीक्षाएं रद्द

गुवाहाटी/भाषा। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने कहा कि विभिन्न स्थानों पर प्रश्नपत्र लीक होने की खबरों के बाद असम राज्य बोर्ड की 11वीं कक्षा की 24 से 29 मार्च तक होने वाली सभी परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं।

राज्य के छात्र संगठनों नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), सत्र मुक्ति संग्राम समिति (एसएमएसएस) और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (एएएसयू) ने मामले की उचित जांच की मांग की और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत असम सरकार की आलोचना करते हुए पेगु के इस्तीफे तथा राज्य बोर्ड के प्रमुख आर. सी. जैन को निलंबित करने की मांग की।

इससे पहले, असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड (एएसएसईबी) की 21 मार्च को होने वाली उच्चतर माध्यमिक प्रथम वर्ष की गणित की परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो गया था, जिसके कारण अधिकारियों को परीक्षा रद्द करनी पड़ी। अधिकारियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उच्चतर माध्यमिक प्रथम वर्ष या कक्षा 11 की परीक्षाएं छह मार्च को शुरू हुई थीं और 29 मार्च तक जारी रहने वाली थीं।

पेगू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रश्नपत्र लीक होने और प्रोटोकॉल के उल्लंघन की खबरों के कारण शेष विषयों की एचएस प्रथम वर्ष की परीक्षा 2025 (24-29 मार्च तक निर्धारित) को रद्द कर दिया गया है। असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड (एएसएसईबी) के आधिकारिक आदेश को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि परीक्षाओं के नए कार्यक्रम के संबंध में आगे की कार्रवाई सोमवार को बोर्ड की बैठक में तय की जाएगी।

नकदी विवाद: पुलिस के वीडियो के बाद भारत के प्रधान न्यायाधीश ने आंतरिक जांच समिति गठित की

लुटियंस दिल्ली स्थित न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास से रुपयों की चार से पांच अधजली बोरियां बरामद की गईं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पुलिस आयुक्त द्वारा न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास पर नोटों की जली हुई गड्डियों का वीडियो साझा किए जाने और दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा अपने प्रारंभिक निष्कर्षों में ''गहन जांच'' का आह्वान किए जाने के बाद भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए एक समिति गठित की है। एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति वर्मा के आवास से कथित रूप से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने के संबंध में दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय की जांच रिपोर्ट को अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया, जिसमें संपूर्ण वीडियो और तस्वीरें हैं।

मुख्य न्यायाधीश उपाध्याय की सीजेआई को दी गई रिपोर्ट में आधिकारिक संचार के संबंध में सामग्री शामिल है, जिसमें कहा गया है कि लुटियंस दिल्ली स्थित न्यायमूर्ति के आवास से रुपयों की चार से पांच अधजली बोरियां बरामद की गईं। मुख्य न्यायाधीश उपाध्याय ने शनिवार की शाम सार्वजनिक की गई 21 मार्च की अपनी रिपोर्ट में कहा, घटना की सूचना, उपलब्ध सामग्री और न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के जवाब की जांच करने पर मुझे पता चला कि पुलिस आयुक्त ने 16 मार्च 2025 की अपनी रिपोर्ट में बताया कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास पर तैनात गार्ड के अनुसार, 15 मार्च 2025 की सुबह जिस कमरे में आग लगी, वहां से मलबा और आंशिक रूप से जला हुआ अन्य सामान हटा दिया गया है....'' उन्होंने कहा, परिणामस्वरूप, मेरी प्रथम दृष्टया राय है कि पूरे मामले की गहन जांच की आवश्यकता है।

फंसाने, बदनाम करने की साजिश : न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा

नई दिल्ली/एजेन्सी। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने अपने आधिकारिक आवास पर मारी मात्रा में नकदी बरामदगी से इनकार किया है। उच्चतम न्यायालय की ओर से जारी दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय की रिपोर्ट में न्यायमूर्ति वर्मा अपने आधिकारिक आवास पर कथित तौर पर भारी मात्रा में रुपए बरामदगी की सूचनाओं को (न्यायमूर्ति वर्मा को) फंसाने और बदनाम करने की साजिश की तरह होने का दावा किया।

शीर्ष अदालत की बेवसाइट पर जारी 25 पन्नों की रिपोर्ट (जिसके कुछ हिस्से पर काली स्याही लगी होने की वजह से अस्पष्ट हैं) में न्यायमूर्ति वर्मा ने कहा, न तो मैंने और न ही मेरे परिवार के किसी सदस्य ने कभी भी उस स्टोररूम (जहां 14 मार्च 2025 की रात आग लग ने की घटना हुई) में कोई नकदी या मुद्रा जमा कर रखी थी। उन्होंने दावा किया कि पूरी घटना हाल ही में हुई घटनाओं के एक क्रम का हिस्सा है, जिसमें दिसंबर 2024 में सोशल मीडिया पर प्रसारित निराधार आरोप भी शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक घने पौधशाला में घुसपैठ कर छिपे आतंकवादियों को सुरक्षाबलों ने चारो ओर से रविवार को घेर लिया, जिसके बाद दोनों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच उस दौरान मुठभेड़ शुरू हो गई जब जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सान्याल गांव के पौधशाला में शाम को तलाशी अभियान शुरू किया था। यह गांव हीरानगर सेक्टर में सीमा से डेढ़ किलोमीटर दूर है। उन्होंने बताया कि छिपे हुए आतंकवादियों ने पुलिस दल पर भारी गोलीबारी की, जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की।

लोगों को राम भी चाहिए और रोटी भी, साथ ही सनातन के धरोहरों को निर्माण भी चाहिए : नित्यानंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोपालगंज/एजेन्सी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि लोगों को राम भी चाहिए और रोटी भी, साथ ही सनातन के धरोहरों को निर्माण भी चाहिए।

बिहार विधानसभा के चुनाव को लेकर हर पार्टी ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी सभा का आगाज राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद के गृह जिला में आगामी 30 मार्च को निर्धारित हुआ है। यह सभा गोपालगंज के न्यू पुलिस लाइन के मैदान में होगा।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री राय ने गोपालगंज परिसदन में रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आगामी 30 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 11 बजे दिन में जन सभा करेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर स्थानीय कार्यकर्ताओं और लोगों में काफी उत्साह और उमंग है।उन्होंने कहा कि कई योजनाओं का भी घोषणा करेंगे।

राय ने कहा कि जिस प्रकार से प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राम मंदिर का निर्माण हुआ, उसी प्रकार से सीतामढ़ी के पुरैना धाम में मां जानकी मंदिर का निर्माण करने की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मिथिला परिषद के बैठक में घोषणा की थी।इस घोषणा के बाद पहली बार बिहार के गोपालगंज के न्यू पुलिस लाइन मैदान में बड़ा जन सभा करने के लिए 30 मार्च को आ रहे है।

राय ने कहा कि राष्ट्र के लोगों को राम भी चाहिए और रोटी भी।साथ ही सनातन के धरोहरों को निर्माण भी चाहिए। प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में दृढ़ संकल्प के आधार पर अखंडता बनाए रखने का कार्य चल रहा है।पिछले 20 घंटे से गोपालगंज में हूं जहां अमित शाह के कार्यक्रम को लेकर काफी उमंग देख रहा हूं।

नासिक में 2027 कुंभ मेले की तैयारियां धीमी, लेकिन चुनौतियों को दूर कर लिया जाएगा : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि नासिक में 2027 में होने वाले कुंभ मेले की तैयारियां उम्मीद से धीमी गति से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने इसे ''आस्था और प्रौद्योगिकी'' का आयोजन बताया।

नासिक में 'सीआईआई यंग इंडियंस' के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फडणवीस ने बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाले कुंभ से संबंधित चुनौतियों को स्वीकार किया, हालांकि उन्हें दूर करने का विश्वास भी जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचे पर काम फिलहाल तय समय से पीछे चल रहा है, लेकिन स्थिति में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा, हमने पिछले साल कुंभ मेले की तैयारियां शुरू कर दी थीं। अगर हमने 2020 में काम शुरू कर दिया होता, तो आज हम अधिक बेहतर स्थिति में होते। फडणवीस ने कहा कि प्रयागराज में सफल कुंभ मेले के अनुभव से लाभ उठाते हुए प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा, वर्ष 2015 में नासिक ने कुंभ मेले की मेजबानी की थी। इस बार, नासिक और त्र्यंबकेश्वर को विकसित करने के लिए प्रयास जारी हैं।

नासिक में होने वाले आगामी धार्मिक आयोजन को 'आस्था और प्रौद्योगिकी का कुंभ' बताते हुए, फडणवीस ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और भीड़ प्रबंधन प्रणाली समेत आधुनिक प्रौद्योगिकी का एकीकरण उपस्थित लोगों के लिए एक शानदार अनुभव प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम 300 एकड़ में आयोजित किया जाएगा, जो प्रयागराज के 7,500 हेक्टेयर से काफी छोटा है।

24-03-2025 सूर्यास्त	25-03-2025 सूर्योदय
6:30 बजे	6:20 बजे

BSE	NSE
76,905.51	23,350.40
(+557.45)	(+159.75)

सोना	चांदी
9,244 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	100,300 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सत्ता के स्वार्थ

डाकू खुले घूमते मिलते,
ऐरन के चोरों को जेल।
बांट-चूंट कर खाते सब मिल,
खेल रहे वोटों का खेल।
हाथी हुए मतंग शक्ति से,
बकरी पर कस रहे नकेल।
सत्ताओं में स्वार्थ सिद्धि हित,
काम सभी होते बेमेल।।

गाजा में इजराइल के हमलें जारी, हमास के बड़े नेता सहित 19 फलस्तीनी मारे गए

हूती विद्रोहियों ने इजराइल पर एक और मिसाइल दागी, जिसे इजराइली सेना ने बीच में ही मार गिराया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)/एपी। दक्षिणी गाजा पट्टी में रविवार को रातभर हुए इजराइली हमलों में हमास के एक बड़े नेता समेत कम से कम 19 फलस्तीनी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इस बीच, यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने इजराइल पर एक और मिसाइल दागी, जिससे हवाई हमले के सायरन बजने लगे। इजराइली सेना ने कहा कि मिसाइल को बीच में ही मार गिराया गया और इससे जान-माल का किसी प्रकार का नुकसान होने की जानकारी नहीं है।

दक्षिणी गाजा के दो अस्पतालों ने बताया कि रातभर हुए हमलों में मारे गए बच्चों एवं महिलाओं समेत 17 लोगों के शव अस्पताल लाए गए हैं।

रचिन रविंद्र और गायकवाड ने सीएसके को दिलाई जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। अफगानिस्तान के 'मिस्ट्री' स्पिनर नूर अहमद (18 रन देकर चार विकेट) के यादगार पदार्पण के बाद कप्तान रुतुराज गायकवाड (53 रन) और रचिन रविंद्र (नाबाद 65 रन) के अर्धशतक से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग मैच में मुंबई इंडियंस को चार विकेट से शिकस्त दी।

रचिन रविंद्र ने 45 गेंद का सामना करते हुए अपनी नाबाद पारी में दो चौके और चार छक्के जमाये। उन्होंने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। पारी का आगाज करने के बजाय तीसरे नंबर पर उतरे गायकवाड ने 26 गेंद की पारी के दौरान छह चौके और तीन छक्के जड़े। इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 37 गेंद में 67 रन की साझेदारी निभाई।

सीएसके ने टॉस जीतकर नूर अहमद के शानदार प्रदर्शन से मुंबई इंडियंस को 20 ओवर में नौ विकेट पर 155 पर रोक दिया। इसमें सीएसके लिए नूर अहमद के अलावा खलील अहमद ने 29 रन देकर तीन विकेट झटके।

इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके के लिए रचिन रविंद्र और गायकवाड के अलावा रविंद्र जडेजा ने रन आउट होने से पहले 17 रन बनाए। इन तीनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका जिसमें मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों विशेषकर आईपीएल में पदार्पण करने वाले केरल के बायें हाथ के स्पिनर विग्नेश पुथुर (32 रन देकर तीन विकेट) का अहम योगदान रहा।

चौबीस साल के पुथुर ने गायकवाड, शिवम दूबे और दीपक हुड्डा के विकेट झटके। रचिन रविंद्र ने अंत में पुथुर की गेंदों पर दो छक्के जड़कर दर्शकों का मनोरंजन किया।

रविंद्र जडेजा के आउट होने के बाद जैसे ही महेंद्र सिंह धोनी क्रीज पर उतरे, दर्शकों के शोर से उनकी खुशी बयां हुई जो उनसे विजयी रन बनाने की उम्मीद लगाये थे क्योंकि तब जीत के लिए केवल चार रन चाहिए थे। पर रचिन रविंद्र ने छक्का जड़कर घरेलू मैदान पर टीम को जीत दिलाई।

'वैराग्य भाव जगाकर ही वीतराग पथ पर प्रस्थान संभव'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर द्वारा रविवार को साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन में वीतराग पथ' कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्रावकनिष्ठा पत्र का वाचन सभा के मंत्री हेमराज मांडोत ने किया। सभा के अध्यक्ष गौतम दक व परिषद के अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें मानव जीवन मिला है। मनुष्य जन्म सोने की थाली है, इसमें हमको कंकर नहीं भरने हैं। व्यक्ति को हमेशा अच्छा कर्म करना चाहिए। इस युग में वैराग्य भाव जगा करके ही आप वीतरागपथ पर प्रस्थान कर सकते हैं। साध्वीश्री ने कहा कि हम जैन की पहचान बनाएं।

साध्वी उन्नतयशा जी ने कहा कि मनुष्य के तीन मित्र होते हैं, शरीर, परिवार और कर्म। पहला मित्र शरीर संसार तक साथ निभाता है, दूसरा मित्र परिवार श्मशान तक और तीसरा मित्र कर्म हमेशा साथ रहता है। व्यक्ति का कर्मों के कारण ही चारों गतियों में आवागमन होता है। आठ कर्मों की व्याख्या करते हुए कर्म बंधन की

प्रक्रिया पर सूक्ष्म प्रकाश डाला।

साध्वीश्री आत्मयशाजी ने मैं सामायिक' की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए रोजाना सामायिक करने की प्रेरणा दी। सामायिक का अर्थ है समता में रहना। सम का अर्थ है आत्मा। आत्मा में वास करना ही सामायिक है। इस अवसर पर महिलामण्डल की अध्यक्ष सरोज दुगड़, ज्ञानशाला संयोजिका मंजू दक, परिषद के परामर्शक प्रकाश बोल्या,अभातेयुप के प्रदीप चोपड़ा सहित अनेक संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री संदीप चौधरी ने किया।

तप साधना से तन-मन दोनों शुद्ध हो जाते हैं : डॉ पदमचंद्रमुनि

बेंगलूरु। 'जैन मात्र जाति नहीं एक उत्कृष्ट जीवन शैली है। जैन कुल में जन्म लेने वाला बच्चा, माँ के गर्भ से ही सब जीवों के प्रति मैत्री भाव एवं सुपात्र दान के संस्कार लेकर आता है। यह मनुष्य जीवन संसार के जन्म, मरण, रोग, शोक, इष्ट वियोग, अनिष्ट संयोग आदि अनंत दुःखों से मुक्ति प्राप्त करने के लिए मिला है। मनुष्य भव में ही जीव दान, शील, तप और शुभ भावना भा सकता है। जैन धर्म का सम्यक पालन करने वाला कभी नरक में नहीं जाता है। ऐसी उत्तम उसकी जीवन शैली है।' यह विचार गणेशबाग में विराजित आचार्य पार्श्वचन्द्रजी के सान्निध्य में डॉ. पदमचंद्रमुनिजी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि तप साधना से तन-मन दोनों शुद्ध हो जाते हैं। संतश्री जयधुरंधरमुनिजी ने कहा कि तप से कर्मों की विपुल निर्जरा होती है और जीव कर्मो से मुक्त होकर मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। मोक्ष को प्राप्त करने के लिए निर्जरा के 12 भेद हैं, जिनमें तप सबसे पहला है। संतश्री जयपुरंदरमुनिजी ने कहा कि आगम हमें सम्यक जीवन जीने की प्रेरणा देता है। भगवान महावीर की वाणी का उद्घोष 'जीओ और जीने दो' अहिंसा के सिद्धांत 'का प्रतिपादन करता है। हम प्रतिदिन आत्मा के स्वरूप का चिंतन और मनन करें। आचार्य पार्श्वचन्द्रजी द्वारा मंगलपाठ से प्रवचन सभा का समापन हुआ। इस अवसर पर बेंगलूरु के विभिन्न उपनगरों से श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

जीतो नॉर्थ और साउथ चैप्टर ने मनाया 'जीतो' का 19वां स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन(जीतो)नॉर्थ और साउथ चैप्टर का 19वां फाउंडेशन डे समारोह रविवार को सेंट जोसेफ कॉलेज सभागार में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में लोकायुक्त एसआईटी के डिप्टी एसपी एलवाई राजेश सहित जीतो अपेक्स के राष्ट्रीय पदाधिकारी, जीतो दोनों चैप्टर के पदाधिकारी व लेडीज विंग और यूथ विंग के पदाधिकारी उपस्थित थे। नवकार मंत्र से शुभारंभ हुआ। अतिथियों ने विधिवत ध्वजारोहण किया।

मुख्य अतिथि एलवाई राजेश ने जीतो के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए हर संभव सहयोग देने की बात कही। उन्होंने कहा कि जीतो में भाईचारे और सहयोग की भावना देखकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में जीतो का योगदान सराहनीय है। इस समारोह में जीतो अपेक्स के जेटीएफ के चेयरमैन रमेश हरन, जीतो अपेक्स के सचिव श्रीपाल बच्छावत, जीतो अपेक्स के निदेशक मंडल के भेरुलाल भंडारी, प्रवीण शाह, नरेंद्र सामर, केकेजी ज़ोन के मुख्य सचिव दिलीप जैन, साउथ चैप्टर के पूर्व चेयरमैन दिनेश बोहरा, सचिव दीपक श्रीश्रीमाल, साउथ चैप्टर के उपाध्यक्ष महेंद्र जियाणी, महेंद्र रांका, मेंटोर राजकुमार जैन, जीतो नॉर्थ के उपाध्यक्ष दिनेश बाफना, संयोजक मदन जैन एवं विजय मेहता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर जीतो के 19 वर्ष के सुनहरे सफ़र को याद करते हुए नए संकल्प लिए गए। साउथ चैप्टर चेयरमैन रणजीत सोलंकी और नार्थ चैप्टर चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी का स्वागत किया व मुख्य अतिथि का सम्मान किया। दोनों महामंत्री नितिन लुनिया व विजय सिंघवी ने संचालन किया।

बोइंग ने भारत में 180 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका की विमान विनिर्माता कंपनी बोइंग ने वैश्विक स्तर पर कर्मचारियों की संख्या में कटौती की योजना के तहत बेंगलूरु में अपने इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी केंद्र के 180 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियों का सामना कर रही बोइंग के भारत में करीब 7,000 कर्मचारी हैं। भारत कंपनी के लिए एक प्रमुख बाजार है। पिछले साल बोइंग ने वैश्विक स्तर पर करीब 10 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की थी। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्र ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कर्मचारियों की संख्या में कटौती के तहत बोइंग ने अपने बेंगलूरु के बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी सेंटर के 180 कर्मचारियों को 2024 की दिसंबर तिमाही में बाहर का रास्ता दिखाया है। इस बारे में बोइंग की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सूत्र ने कहा कि कंपनी का प्रयास है कि इस छंटनी से उसके ग्राहकों और सरकार के साथ परिचालन पर कोई असर नहीं पड़े। इसी के मद्देनजर कंपनी ने रणनीतिक समायोजन किया है जिससे सीमित संख्या में पद प्रभावित हुए हैं। बेंगलूरु और चेन्नई में बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (बीआईईटीसी) जटिल आधुनिक वैमानिकी कामकाज करता है। बेंगलूरु का इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी परिसर अमेरिका के बाहर कंपनी के सबसे बड़े निवेश में से है। कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, भारत में बोइंग 300 से अधिक आपूर्तिकर्ताओं से सालाना करीब 1.25 अरब डॉलर की खरीद करती है।

गुरु स्मरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के केपी अग्रहारा स्थित अप्पू अभिमानी संघ द्वारा कन्नड़ फिल्म अभिनेता पुनीत राजकुमार के 50वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्य्रकमों का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने पुनीत राजकुमार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कन्नड़ सिनेमा जगत में उनके योगदान को याद किया। मुणोत ने अपनी ओर से जरुरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

गुरु आरती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मामुलपेट में रविवार को सिंमधरस्वामी राजेन्द्रसूरी जैन श्वेताम्बर मंदिर में आरती मंडल द्वारा दादा गुरुदेव राजेन्द्रसूरीजी की विशेष आरती की गई। आरती के पहले भजन गायक पूजा लुणिया व दिनेश बाफना ने भजनों की प्रस्तुति दी। समारोह में मंडल के अध्यक्ष चम्पालाल गादिया, सचिव महावीर मेहता आदि ने इस मौके पर पूजा करने आए 51 बच्चों का आरती मंडल की ओर से सम्मान किया गया।

दाधीच महिला मंडल ने हर्षोल्लास से मनाया गणगौर उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के दाधीच महिला मण्डल की ओर से रविवार को गाँधी बाजार स्थित सभागार में गणगौर उत्सव का आयोजन किया गया। महिला मंडल की अध्यक्षा प्रमिला शर्मा ने गणगौर त्योहार की विस्तार से जानकारी दी । इस कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने 16 श्रृंगार कर नृत्य की प्रस्तुति दी। गणगौर और ईसर बने कुसुम दाहिमा और जूही असोपा ने अपनी प्रस्तुति दी। पुष्पा तिवारी ने सभी का स्वागत किया। मण्डल की संस्थापिका सरोजा व्यास ने सभी को गणग़ौर उत्सव की शुभकामनाएं दी। मंडल की सरोज ओझा, प्रमिला शर्मा, सरस्वती बिसावा, बुल्लू दाधीच, रेखा सूँठवाल, सुषमा असोपा, सारिका पलोड़, शशि ओझा, वन्दना जोशी, सरिता असोपा, चंद्रकांता डोबा, सरोज जोशी, मीना जोशी, रेनू जोशी, पद्मावती इटोवा, किरण मुंडेल ने व्यवस्था संभाली। संगठन मंत्री सरिता आसोपा ने धन्यवाद दिया।

जलवायु नीतियां जमीनी हकीकत पर आधारित होनी चाहिए : केंद्रीय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नीतियां जमीनी हकीकत पर आधारित होनी चाहिए।

पर्यावरण राज्य मंत्री ने शनिवार को 'भारत 2047: जलवायु के अनुकूल भविष्य का निर्माण' संगोष्ठी के समापन सत्र में कहा कि गर्मी से राहत कार्यक्रम जैसे आपातकालीन उपाय महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दीर्घकाल में स्थिति के अनुकूल ढलने के लिए बुनियादी ढांचे, नीति और वित्तपोषण में बदलाव की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों कदमों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के अनुकूल बनाने के लिए वित्तीय सहायता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर कैरोलीन बकी ने कहा कि उन लोगों की पहचान करने के लिए अधिक विस्तृत डेटा की आवश्यकता है जिनके जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित होने का खतरा है।

नागपुर में स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण, कर्फ्यू हटाया गया : मुख्यमंत्री फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि नागपुर में कर्फ्यू हटा लिया गया है, क्योंकि शहर में स्थिति पूरी तरह से शांतिपूर्ण है।

मुख्यमंत्री पुणे के पिंपरी चिंचवड इलाके में मीडिया से बात कर रहे थे, जहां उन्होंने गैर-लाभकारी 'पानी फाउंडेशन' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। फडणवीस ने कहा, नागपुर में स्थिति पूरी तरह से शांतिपूर्ण है। कहीं भी कोई तनाव नहीं है। सभी धर्मों के लोग एक साथ शांति से रह रहे हैं, इसलिए कर्फ्यू हटा लिया है।

इससे पहले दिन में,

अधिकारियों ने बताया कि नागपुर में छह दिन पहले हुई हिंसा के बाद रविवार को शहर के शेष चार इलाकों से भी कर्फ्यू हटा लिया गया। गत 17 मार्च को हुई हिंसा के बाद कोतवाली, गणेशपेठ, तहसील, लकड़गंज, पचपावली, शांति नगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामबाड़ा, यशोधरा नगर और कपिल नगर पुलिस थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया गया था।

नागपुर के कई हिस्सों में उस समय बड़े पैमाने पर पथराव और आगजनी की खबरें आईं, जब यह अफवाह फैली कि छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान एक पवित्र पुस्तक की पंक्तियां लिखी एक चादर कथित तौर पर जलाई गई।

हिंसा में पुलिस उपायुक्त स्तर के तीन अधिकारियों समेत 33 पुलिसकर्मी घायल हो गए। हिंसा के सिलसिले में शनिवार को सात लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिससे हिरासत में लिए गए लोगों की कुल संख्या 112 हो गई।

इससे पहले, 20 मार्च को नंदनवन और कपिल नगर थाना क्षेत्रों से तथा 22 मार्च को पचपावली, शांति नगर, लकड़गंज, सक्करदरा और इमामबाड़ा क्षेत्रों से कर्फ्यू हटा लिया गया था।

भगत सिंह-अंबेडकर के सपनों को पूरा करने के लिए 'आप' राजनीति में आई : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी सत्ता के लिए नहीं बल्कि स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह और समाज सुधारक भीमराव अंबेडकर के सपनों को पूरा करने के लिए राजनीति में आई है।

'आप' के 'एक शाम शहीदों के नाम' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता में आने के बाद दोनों महापुरुषों की विरासत का अनादर करने का आरोप लगाया। शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि देने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। केजरीवाल ने कहा, हमारे आदर्श बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह हैं। भगत सिंह कहते थे कि सिर्फ अंग्रेजों को हटाना ही काफी नहीं है, समाज का ढांचा बदलना होगा। नहीं तो गोरे अंग्रेज तो चले जाएंगे लेकिन काले अंग्रेज आ जाएंगे। केजरीवाल ने कहा, बिलकुल यही हुआ है। आज के शासक अंग्रेजों से भी बदतर हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सत्ता संभालने के 48 घंटे के भीतर ही भाजपा ने सरकारी दफ्तरों से भगत सिंह और अंबेडकर की तस्वीरें हटा दीं। केजरीवाल ने कहा, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या देश के लिए भगत सिंह से ज्यादा किसी ने बलिदान दिया है। केजरीवाल ने दिल्ली में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना को कथित तौर पर प्रतिबंधित करने के लिए भाजपा सरकार की आलोचना की। पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बस परिचालक अब महिलाओं को गुलाबी टिकट देने से मना कर रहे हैं, जब तक कि वे 'ऐप' डाउनलोड न करें। भाजपा पर अपने चुनावी वादों को पूरा करने में नाकाम रहने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? सुविधाओं में सुधार करने के बजाय वे मौजूदा सुविधाओं को छीन रहे हैं। अब तक उन्हें महिलाओं को 2,500 रुपए देना शुरू कर देना चाहिए था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

केवल तीन साल में 70 फीसदी से अधिक वादे पूरे किए : मुख्यमंत्री धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार ने 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा किए गए वादों में से 70 फीसदी को पूरा कर दिया है और शेष सभी वादों को भी वह अगले चुनाव से पहले पूरा कर देगी।

राज्य में अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे होने पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में धामी ने कहा कि उनकी भाजपा की सरकार है, जो हर वर्ष अपना रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखती है और अपने वादे पूरे करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा, कांग्रेस की तरह नहीं है जो सिर्फ चुनाव के समय जनता के बीच आती है और फिर पांच वर्षों तक उन्हें उनके हाल

पर छोड़ देती है।

धामी ने कहा, हम 2022 (विधानसभा चुनाव) में जारी अपने दृष्टिपत्र (घोषणापत्र) के 70 फीसदी से अधिक वादों को मात्र तीन वर्ष में धरातल पर उतारने में सफल रहे हैं और मुझे विश्वास है कि हम अगले चुनाव तक अन्य वादों को भी पूरा करने में आप सभी (जनता) के आशीर्वाद से सफल होंगे।

धामी ने कहा कि उत्तराखंड की जनता ने विधानसभा चुनाव में मिथक तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार भाजपा को विजयी बनाकर एक नया इतिहास बनाया और उनके उस विश्वास पर सरकार खरी उतरी है। उन्होंने कहा कि बीते तीन वर्ष उत्तराखंड के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में पिछले तीन वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, हवाई संपर्क सहित सभी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में 30 से भी अधिक नीतियां बनाई हैं, जिससे धार्मिक पर्यटन के साथ ही साहसिक पर्यटन, वेलनेस पर्यटन के साथ ही प्रदेश एक नए 'खेल गंतव्य' और 'विवाह गंतव्य' के गढ़ के रूप में भी उभर रहा है। इस संबंध में उन्होंने दिल्ली-देहरादून एलीवेटेड रोड, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, चारधाम आलवेदर रोड और उड़ान योजना का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंत्योदय परिवारों के लिए तीन गैस सिलेंडर, आंदोलनकारियों (पृथक राज्य की मांग करने वाले आंदोलनकारी) को आरक्षण, दोनों बुजुर्ग दंपतियों को वृद्धावस्था पेंशन, सरकारी नौकरियों में खेल कोटे को बहाल करने तथा 207 प्रकार की स्वास्थ्य जांच जैसे वादों को पूरा करने के साथ ही कई उपलब्धियां भी हासिल की गईं।

धामी ने कहा कि नीति आयोग ने सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उत्तराखंड को पहला स्थान दिया है, जबकि बेरोजगारी दर में राज्य सरकार ने 4.4 प्रतिशत की कमी लाकर राष्ट्रीय औसत को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य के सकल घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हुई है।

धामी ने कहा कि राज्य सरकार ने विधानसभा चुनावों के दौरान समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून को लागू करने के अपने वादे को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि 27 जनवरी 2025 से सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून लागू करने वाला उत्तराखंड, आजाद भारत के इतिहास में ऐसा करने वाला पहला राज्य बन गया है।

धर्म आधारित आरक्षण संविधान का उल्लंघन है : आरएसएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सरकारी ठेकों में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण देने के कर्नाटक सरकार के फैसले पर जारी बहस के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को कहा कि संविधान धर्म आधारित कोटे की इजाजत नहीं देता। उन्होंने कहा कि इस तरह का आरक्षण बी आर अम्बेडकर द्वारा लिखित संविधान के खिलाफ है।

आरएसएस की सर्वोच्च निर्णायक संस्था 'अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा' की तीन दिवसीय बैठक के समापन के अवसर पर यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए होसबाले ने कहा, ''बाबा साहेब अम्बेडकर द्वारा लिखित संविधान में धर्म आधारित आरक्षण को स्वीकार नहीं किया गया है। ऐसा करने वाला कोई भी व्यक्ति हमारे संविधान निर्माता के खिलाफ जा रहा है।'' उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व में अविभाजित आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र की ओर से किए गए मुसलमानों के लिए धर्म-आधारित आरक्षण लागू करने के प्रयासों को उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय ने खारिज कर दिया था। होसबाले ने इस बात पर जोर दिया कि अदालतों ने ऐसे आरक्षण के प्रावधानों को खारिज किया है। महाराष्ट्र में स्थित मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को लेकर उठे विवाद के बारे में पूछे गए सवाल पर संघ नेता ने कहा कि औरंगजेब का महिमामंडन किया गया, उसके भाई दारा शिकोह का नहीं जो कि सामाजिक सद्भाव में विश्वास करने वाला व्यक्ति था।

होसबाले ने कहा कि भारत के मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों को आदर्श बनाया गया। उन्होंने मुगल बादशाह अकबर का विरोध करने के लिए राजपूत राजा महाराणा प्रताप जैसी शख्सियतों की सराहना की और कहा कि जिन्होंने आक्रमणकारियों का प्रतिरोध किया, वे भी 'स्वतंत्रता सेनानी' थे। आरएसएस नेता ने दावा किया कि ''आक्रमणकारी मानसिकता'' वाले लोग भारत के लिए खतरा पैदा करते हैं। उन्होंने कहा, ''हमें उन लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए जो भारतीय मूल्यों का समर्थन करते हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या आरएसएस का मानना है कि उसे कुछ मामलों पर केंद्र को अपने विचार बताने चाहिए, होसबाले ने कहा कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है।

आरएसएस के सरकार्यवाह ने कहा, ''संघ सरकार को दिन-प्रतिदिन किए जाने वाले कामों के बारे में नहीं बताता है, लेकिन जब भी लोग कुछ मुद्दे उठाते हैं, तो विभिन्न संगठनों के विविध क्षेत्रों में काम करने वाले आरएसएस कार्यकर्ता अपना संदेश पहुंचाते हैं। हमारे पास एक तंत्र है जहां ऐसी चीजों पर चर्चा की जाती है।''

यह पूछे जाने पर कि क्या आरएसएस अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को अपनी उपलब्धि मानता है, उन्होंने कहा कि यह मंदिर केवल संघ की ही उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह पूरे हिंदू समाज की उपलब्धि है। जातिवाद के उन्मूलन के मुद्दे पर होसबाले ने कहा कि संघ शाखाएं इस मुद्दे को सुलझाने के लिए आदर्श मंच हैं और उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि संघ के स्वयंसेवकों के बीच कई अंतरजातीय विवाह हुए हैं। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति के बारे में पूछे गए सवाल पर आरएसएस नेता ने कहा कि संघ पार्टी के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता है।

आरएसएस ने सौहार्दपूर्ण, संगठित हिंदू समाज' के निर्माण का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने रविवार को अपनी सर्वोच्च निर्णायक संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में विश्व शांति और समृद्धि के लिए ''सौहार्दपूर्ण और संगठित हिंदू समाज'' के निर्माण का प्रस्ताव पारित किया। रविवार को संपन्न हुई तीन दिवसीय बैठक में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा, भाजपा महासचिव बी एल संतोष और आरएसएस से संबद्ध 32 संगठनों के प्रमुखों ने भाग लिया। आरएसएस ने अपने प्रस्ताव में कहा कि भारत एक प्राचीन संस्कृति है, जिसकी समृद्ध परंपराएं हैं और इसमें सामंजस्यपूर्ण विश्व बनाने के लिए भरपूर ज्ञान है। आरएसएस ने कहा, ''हमारा विचार संपूर्ण मानवता को विभाजनकारी और आत्म-विनाशकारी प्रवृत्तियों से बचाता है तथा सभी प्राणियों के बीच शांति और एकता की भावना सुनिश्चित करता है।'' प्रस्ताव में कहा गया कि हिंदू समाज अपने वैश्विक उत्तरदायित्व को केवल धर्म पर आधारित आत्मविश्वास से परिपूर्ण संगठित एवं सामूहिक जीवन के आधार पर ही प्रभावी ढंग से पूरा कर सकेगा।

इसमें कहा गया है, इसलिए हमारा कर्तव्य है कि हम सभी प्रकार के भेदभावों को खारिज करते हुए सामंजस्यपूर्ण प्रथाओं का पालन करते हुए एक आदर्श समाज का निर्माण करने का संकल्प लें, पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली पर आधारित मूल्य आधारित परिवार और आत्मसम्मान से परिपूर्ण नागरिक कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता रखें। प्रस्ताव में कहा गया है, ''यह संकल्प हमें एक मजबूत राष्ट्रीय जीवन का निर्माण करने, भौतिक रूप से समृद्ध और आध्यात्मिकता से परिपूर्ण होने, चुनौतियों को कम करने और समाज की सभी समस्याओं को हल करने में सक्षम बनाएगा।''

इसमें कहा गया है, अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा सभी स्वयंसेवकों से आह्वान करती है कि वे सज्जन शक्ति के नेतृत्व में पूरे समाज को एक साथ लेकर विश्व के समक्ष सामंजस्यपूर्ण और संगठित भारत का आदर्श प्रस्तुत करने के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध करें।

संघ ने उल्लाल की रानी अबक्का को उनकी 500वीं जयंती पर श्रद्धांजलि भी दी। रानी ने पुर्तगाली आक्रमण के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी

बांग्लादेश में हिंदुओं की जिम्मेदारी भारत की, इस कर्तव्य से हम बच नहीं सकते : आरएसएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शनिवार को कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की जिम्मेदारी भारत की है और हम इस कर्तव्य से बच नहीं सकते। बेंगलूरु में चल रही अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आरएसएस के संयुक्त महासचिव अरुण कुमार ने यह बयान दिया।

इस सवाल के जवाब में कि क्या सताए गए हिंदुओं को भारत द्वारा स्वीकार किया जाना चाहिए, अरुण कुमार ने एक स्पष्ट बयान दिया कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय हमारी जिम्मेदारी है। हम इससे बच नहीं सकते। जिस भारत को हम गर्व से अपना देश कहते हैं, उसे बांग्लादेश के हिंदुओं ने उतना ही आकार दिया है जितना कि भारत के हिंदुओं ने। उन्होंने आगे कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं को शांति और खुशी से रहना चाहिए। उन्हें अपने देश में योगदान देना चाहिए, लेकिन अगर भविष्य में कोई मुश्किल स्थिति आती है, तो हम पीछे नहीं हट सकते। अगर ऐसी स्थिति आती है, तो हम उसका समाधान करेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत और बांग्लादेश का इतिहास और सभ्यता एक जैसी है।

उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि 1947 में विभाजन हुआ। हमने आबादी नहीं, बल्कि जमीन का बंटवारा किया। दोनों देशों ने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर सहमति जताई थी। नेहरू-लियाकत समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए... यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बांग्लादेश ने इसका सम्मान नहीं किया। हमारी इच्छा है कि वे जहां भी रहें, सम्मान, सुरक्षा और धार्मिक पहचान के साथ रहें। हमें इसे हासिल करने के लिए प्रयास करने चाहिए। बांग्लादेश की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, इसे राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। शासन बदल गया है, लेकिन हिंसा का कारण सिर्फ़ यही नहीं है। इसका एक धार्मिक पहलू भी है। प्राथमिक और निरंतर लक्ष्य हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक हैं। हिंदुओं और अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न कोई नई बात नहीं है।

यह बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लिए अस्तित्व का संकट है। हाल की हिंसा से पता चला है कि बांग्लादेशी सरकार और उसके संस्थान हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के खिलाफ़ हमलों में शामिल हैं, जो एक गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने आगे कहा, इस हिंसा के लिए जिम्मेदार लोग इसे न केवल हिंदू विरोधी बल्कि भारत विरोधी भी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इस संबंध में कई नेताओं ने बयान दिए हैं। हम अपने पड़ोसी देशों के साथ हजारों सालों से सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध साझा करते हैं। भारत और उसके पड़ोसियों के बीच अविश्वास और कलह पैदा करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इसके पीछे कई अंतरराष्ट्रीय ताकतें हैं। हमने पाकिस्तान और अमेरिकी डीप स्टेट की भूमिका पर चर्चा की है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के साथ एकजुटता से खड़े होने का आह्वान किया गया है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या आरएसएस बांग्लादेश की स्थिति पर केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया से संतुष्ट है, तो उन्होंने कहा, यह एक सतत प्रक्रिया है, मुद्दा पूरी तरह से हल नहीं हुआ है। सरकार अपना काम कर रही है, और हमने उससे हर संभव कार्रवाई करने का आग्रह किया है। हम संतुष्ट हैं कि केंद्र सरकार ने इस मुद्दे की गंभीरता को समझा है, विदेश मंत्री को विभिन्न स्थानों पर भेजा है, व्यक्तिगत चर्चा की है और अंतर्राष्ट्रीय मंचों का उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि हमने अपने प्रस्ताव में इस चिंता का उल्लेख किया है। जब तक सामान्य स्थिति पूरी तरह से बहाल नहीं हो जाती, तब तक प्रयास जारी रहने चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत को पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना को बहाल करने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए, तो अरुण कुमार ने कहा, शेख हसीना को बहाल करने का फैसला बांग्लादेश के लोग करेंगे। उनका अपना संविधान और व्यवस्था है। मुझे नहीं लगता कि किसी अन्य देश को इस मामले में हस्तक्षेप करने की आवश्यकता है।

नई सुविधा

बेंगलूरु के वैष्णवी हॉस्पिटल्स के मल्टी-स्पेशलिटी स्वास्थ्य सेवा सुविधा केन्द्र की शुरुआत रविवार को सांसद पी सी मोहन, तेजस्वी सूर्या और कुपेंद्र रेड्डी, विधायक सतीश रेड्डी की उपस्थिति में हुई। इस मौके पर वैष्णवी हॉस्पिटल्स के प्रबंध निदेशक हरिप्रसाद शेट्टी ने बताया कि इस मल्टी-स्पेशलिटी यूनिट विभिन्न विषयों में विश्व स्तरीय चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जिसमें यूरोलॉजी और एंड्रोलॉजी, प्रसूति और स्त्री रोग, त्वचा विज्ञान और कॉस्मेटोलॉजी, सामान्य चिकित्सा और 24/7 आपातकालीन देखभाल सेवाएं, ऑर्थोपेडिक्स पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस मौके पर यूरोलॉजी एवं एंड्रोलॉजी के चिकित्सा निदेशक डॉ प्रतीक आर., डॉ राकेश, डॉ श्वेता, डॉ स्मिता आदि भी उपस्थित थे।

जागरुकता साइक्लोथान

बेंगलूरु के किंडर विमेंस हॉस्पिटल और फर्टिलिटी सेंटर व्हाइटफील्ड द्वारा रविवार को महिलाओं में प्रजनन क्षमता बढ़ाने के लिए बेहतर फिटनेस के महत्व के बारे में जागरुकता लाने के लिए व्हाइटफील्ड स्थित डेकाथलॉन से एक साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया जिसमें 10 किलोमीटर के साइक्लोथॉन की शुरुआत अस्पताल की मुख्य परिचालन अधिकारी श्रीवल्ली वी ने हरी झंडी दिखाकर की। इस जागरुकता कार्यक्रम में लगभग 300 लोगों ने भाग लिया।

सरकार्यवाह होसबले बोले, 'भाजपा और संघ के बीच सब कुछ ठीक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने बेंगलूरु में आयोजित अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के अंतिम दिन भाजपा और आरएसएस के रिश्तों को लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चुनावों के दौरान अक्सर इस रिश्ते को लेकर विभिन्न आकलन किए जाते हैं, लेकिन असल आकलन तो देश की जनता ने किया है। उन्होंने कहा कि आरएसएस भी देश का एक अभिन्न हिस्सा है और अगर वह किसी भूमिका में हैं, तो वे हर सरकार के लिए अभिभावक के रूप में हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई सरकार का हिस्सा नहीं बनता, तो यह अलग बात है, लेकिन फिलहाल आरएसएस और सरकार के बीच कोई संकट नहीं है और सब कुछ सामान्य रूप से चल रहा है।

होसबले ने औरंगजेब के विषय पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने दिल्ली के औरंगजेब मार्ग को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि इसे अब्दुल कलाम मार्ग में बदला गया है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि भारत में औरंगजेब के भाई दारा शिकोह को कभी भी एक आइकॉन के रूप में क्यों नहीं माना गया, जबकि औरंगजेब को इस श्रेणी में रखा गया है। होसबले के अनुसार, यह उलटा होना चाहिए था। इसके अलावा, वक्फ से संबंधित मुद्दे पर भी होसबले ने अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि यह केवल आरएसएस का ही मुद्दा नहीं है, बल्कि समाज के कई लोग भी वक्फ की जमीनों के मामले में आवाज उठा रहे हैं। इसके समाधान के लिए सरकार ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया है और उसके फैसले का इंतजार किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि संघ समाज से बाहर नहीं है, बल्कि वह समाज का एक अभिन्न हिस्सा है।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राम मंदिर का निर्माण आरएसएस की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह पूरी तरह से समाज के प्रयासों का परिणाम है। होसबले ने कहा, संघ कोई पैरामीटर सेट नहीं करता, और न ही किसी विशेष कार्य को खुद के नाम से जोड़ता है। संघ समाज का हिस्सा है और समाज ही वह शक्ति है, जो परिवर्तन और उपलब्धियां लाती है। उन्होंने भारत की अस्मिता और संस्कृति के पुनर्निर्माण का श्रेय भी समाज को दिया और कहा, भारत की अस्मिता और संस्कृति को पुनः स्थापित करने का काम समाज ने किया है। यह सब भारत के लोगों की मेहनत और प्रयासों का नतीजा है।

होसबले ने यह स्पष्ट किया कि ऐसे कार्यों को श्रेय समाज के समग्र योगदान को दिया जाना चाहिए, और यह समाज की सामूहिक उपलब्धि है। उल्लेखनीय है कि इस सभा में देशभर के 1443 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें नॉर्थ ईस्ट से लेकर कन्याकुमारी और जम्मू कश्मीर तक के कार्यकर्ता शामिल थे। सभा में संघ के पिछले एक साल के कार्यकाल की समीक्षा की गई और आगामी समय में संघ के विस्तार और कार्यकुशलता पर जोर देने की बात की गई। होसबले ने कहा, विजयादशमी के दिन 100 साल पूरे हो जाएंगे। यह आत्मचिंतन का समय है और समाज तक हमारे काम को पहुंचाने की जरूरत है। साथ ही राष्ट्र निर्माण के लिए आगे का रोड मैप तैयार किया गया है।

संघ ने 100 साल की इस यात्रा के दौरान समाज के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने का संकल्प लिया। इस संकल्प के तहत विजयादशमी के दिन, 2 अक्टूबर को पूरे देश में 1 लाख स्थानों पर ये पर्व मनाया जाएगा, साथ ही शताब्दी वर्ष समारोह की शुरुआत होगी। संघ के सरसंघ चालक दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु और कोलकाता में बुद्धिजीवियों के साथ बैठक करेंगे ताकि एक देश, एक संस्कृति के विचार को मजबूती से स्थापित किया जा सके और देश की एकता और संप्रभुता के लिए कार्य किया जा सके। इसके अलावा, 15 से 30 साल के युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

पुरस्कार

बेंगलूरु में रविवार को योजना आयोग के उपाध्यक्ष बीआर पाटिल ने कर्नाटक चित्रकला परिषद में सामाजिक कार्यकर्ता योगेन्द्र यादव को डॉ. राम मनोहर लोहिया पुरस्कार प्रदान किया।संगोष्ठी रविवार को बेंगलूरु के डॉ. बीआर अंबेडकर भवन में आंतरिक आरक्षण पर एक संगोष्ठी के दौरान न्यायमूर्ति एचएन नागमोहन दास, डीजी सागर और अन्य।

द्रमुक की 'शौचालय राजनीति' को खत्म किया जाएगा : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने विज्ञप्ति में बताया कि तमिलनाडु की जनता प्रधानमंत्री मोदी और अन्नामलाई के खिलाफ द्रमुक की अश्लील शौचालय राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी। भ्रष्टाचार और छल से भरी पार्टी की घिनौनी मानसिकता और जनविरोधी शासन का जल्द ही अंत होगा। द्रमुक सदस्यों द्वारा सार्वजनिक शौचालयों पर चिपकाई गई प्रधानमंत्री मोदी और अन्नामलाई की तस्वीरें भ्रष्ट द्रमुक के गंदे विचारों को साफ करने के लिए एक शक्तिशाली ताकत के रूप में काम करेंगी। मुख्यमंत्री स्टालिन को जल्द ही एहसास हो जाएगा कि उनकी पार्टी की विनाशकारी राजनीति अब तमिलनाडु में काम नहीं करेगी। द्रमुक द्वारा शौचालयों में मोदी और अन्नामलाई की तस्वीरें चिपकाने से उनकी खुद की शर्मनाक राजनीति उजागर होती है। इस तरह की अभद्र हरकतें करने से उन्हें खुद पर ही शर्म नहीं आती है।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की जनता जाग गयी है और मुख्यमंत्री स्टालिन को यह समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी और अन्नामलाई ने उनके दिलों में जगह बना ली है। द्रमुक की विध्वंस की राजनीति को तमिलनाडु के कूड़ेदान में फेंका जा रहा है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा 1,000 करोड़ के शराब घोटाले का पर्दाफाश किए जाने के बाद, भाजपा ने पूरे राज्य में लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन किए। पुलिस दमन का उपयोग करके इन विरोधों को दबाने की उच्चघ सरकार की कोशिश विफल रही।

भाजपा की महिला शाखा ने तमिलनाडु भर में प्रदर्शन किया, शराब की दुकानों के सामने मुख्यमंत्री स्टालिन की तस्वीरें चिपकाईं, जो पारिवारिक मूल्यों को नष्ट करती हैं। पुलिस की धमकियों से बेखौफ महिला शाखा 1,000 करोड़ के घोटाले के खिलाफ निडरता से विरोध कर रही है। पुलिस की कड़ी कार्रवाई के बावजूद, भाजपा सदस्य भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी रखे हुए हैं। बहादुर महिला प्रदर्शनकारी न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग हैं, और तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई के नेतृत्व में, भाजपा महिला विंग अपना निर्भीक विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी।

परिसीमन पर प्रधानमंत्री या गृह मंत्री क्या कहते हैं यह मायने रखता है? शिवकुमार

चेन्नई/बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को कहा कि संसदीय परिसीमन से दक्षिणी राज्यों पर कोई असर नहीं पड़ने संबंधी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के अन्नामलाई के दावे मायने नहीं रखते बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री क्या कहते हैं। बेंगरु रवाना होने से पहले यहां संवाददाताओं से बातचीत में कांग्रेस की कर्नाटक इकाई प्रमुख शिवकुमार ने अन्नामलाई पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह तमिलनाडु के प्रति नहीं बल्कि पार्टी के प्रति वफादारी दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''यहां अन्नामलाई महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री देश से क्या कह रहे हैं। बेचारे अन्नामलाई को कुछ पता नहीं है।'

' शिवकुमार ने आरोप लगाया, वह सिर्फ अपना काम कर रहे हैं, वह अपनी पार्टी के प्रति अधिक वफादारी दिखाना चाहते हैं... वह अपने राज्य के प्रति वफादारी नहीं दिखा रहे हैं, वह अपनी पार्टी के प्रति वफादारी दिखा रहे हैं।'' उपमुख्यमंत्री शनिवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम के अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा बुलाई गई 'निष्पक्ष परिसीमन' बैठक में भाग लेने के लिए यहां आए थे।

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण
तीसरी मंजिल, उड़ान भवन, सफदरजंग हवाईअड्डा, नई दिल्ली - 110003
फो.: 011-24695044

सार्वजनिक नोटिस

चौथी नियंत्रण अवधि (01.04.2024 से 31.03.2029) के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, मुंबई (सीएसएमआईए) के हवाई अड्डा टैरिफ निर्धारण हेतु हितधारकों की परामर्श बैठक

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (एईआरए) ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, मुंबई (सीएसएमआईए) के लिए पांच वर्ष की चौथी नियंत्रण अवधि टैरिफ चक्र (01.04.2024 से 31.03.2029) के लिए वैमानिकी सेवाओं हेतु टैरिफ निर्धारण के संबंध में 10.03.2025 को परामर्श पत्र संख्या 08/2024-25 जारी किया है (जो एईआरए की वेबसाइट यूआरएल www.aera.gov.in) पर उपलब्ध है।

एईआरए अधिनियम, 2008 की धारा 13(4) के प्रावधान के अनुसार, प्राधिकरण के विभिन्न टैरिफ प्रस्तावों को परामर्श पत्र में निहित प्रासंगिक चर्चाओं के साथ हितधारकों के परामर्श के लिए प्रस्तुत किया जाता है।

इस संबंध में हितधारकों की परामर्श बैठक हाइब्रिड मोड (भौतिक/ऑनलाइन) में 25 मार्च, 2025 (मंगलवार) को दोपहर 02:30 बजे यहां निर्धारित है:

भारतीय विमानन अकादमी,
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070.

यात्रियों / यात्री संघों, आम जनता, हवाईअड्डा संचालकों, एयरलाइनों, उद्योग संघों / निकायों, कार्गो, ग्राउंड हैंडलिंग और ईंधन फार्म आदि के लिए स्वतंत्र सेवा प्रदाताओं जैसे सभी हितधारकों से अनुरोध है कि वे उक्त बैठक में शामिल हों और सीएसएमआईए हवाईअड्डा, मुंबई टैरिफ प्रस्तावों पर उपर्युक्त परामर्श पत्र पर अपने बहुमूल्य सुझाव / टिप्पणियां / विचार दें।

ऑनलाइन मोड का विकल्प चुनने वाले प्रतिभागी 24 मार्च, 2025 तक नाम / ईमेल पता /मोबाइल नंबर के साथ अपना पुष्टीकरण ईमेल द्वारा (director-ps@aera.gov.in और rajan.gupta1@aera.gov.in पर) भेज सकते हैं, ताकि 25 मार्च, 2025 को हितधारकों की बैठक के लिए ऐसे प्रतिभागियों के साथ ऑनलाइन लिंक साझा किया जा सके।

ह/-
सचिव, एईआरए

CBC 03112/12/0018/2425

तमिलनाडु को इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन क्षेत्र में पीएलआई के तहत बड़ी संख्या में परियोजनाएं मिलीं : सीतारमण

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि तमिलनाडु उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत एक प्रमुख लाभार्थी के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि राज्य को इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहन क्षेत्रों में इन परियोजनाओं का एक बड़ा हिस्सा मिला है।

सीतारमण ने शनिवार शाम को चेन्नई नागरिक मंच के एक कार्यक्रम में राज्य सरकार के इन आरोपों को खारिज किया कि केंद्र ने वित्तपोषण के मामले में तमिलनाडु की उपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि राज्य में कई बड़ी परियोजनाओं की घोषणा हुई है और ये कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री ने कहा, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जे और वाहन क्षेत्र में पीएलआई-योजना के तहत तमिलनाडु सबसे बड़ा लाभार्थी रहा है। केंद्र से मंजूरी पाने वाली 27 कंपनियों में सात तमिलनाडु से बाहर स्थित हैं। सीतारमण ने कहा कि पीएलआई योजना से लाभ उठाने वाली 25 प्रतिशत कंपनियां तमिलनाडु से हैं। उन्होंने सरकार या किसी व्यक्ति का नाम लिए बिना, उन दावों को खारिज किया कि राज्य को केंद्रीय करों से न्यूनतम राजस्व मिला है।

पेयजल व विद्युत आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रहे इसको लें सर्वोच्च प्राथमिकता में : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत ने गर्मी ऋतु को ध्यान में रखते हुए जलदाय एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि वे जैसलमेर जिले में पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था प्रबंधन को बेहतर करके लोगों को समय पर पीने का पानी उपलब्ध करावें एवं इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने हिदायत दी कि पानी - बिजली आपूर्ति की व्यवस्था में किसी प्रकार की कोताही को बर्दास्त नहीं किया जायेगा।

केन्द्रीय पर्यटन मंत्री शेखावत रविवार को जैसलमेर जिले की पंचायत समिति सांकड़ा मुख्यालय पोकरण के सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे 15 अप्रेल तक कंटीजेन्सी प्लान के तहत जो भी कार्यवाही करनी है वे कर दें एवं जितने भी नलकूप या हैण्डपम्प खोदने है उनको भी खुदवा दें। उन्होंने विद्युत एवं जलदाय विभाग के अभियन्ताओं को गर्मी के चार माह में टीम भावना से कार्य कर लोगों को समय पर पीने का पानी उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। साथ ही उन्होंने 15 अप्रेल तक जलदाय विभाग के नलकूपों को विद्युत कनेक्शन से जोड़ने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

उन्होंने नहर बंदी को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त मात्रा में पीने के पानी के भण्डारण का बेहतर प्रबंध करने के निर्देश दिये। उन्होंने जलदाय विभाग के अधिकारियों को अवैध जल कनैक्शन कटाने एवं पुलिस विभाग को इसमें पूरा सहयोग देने के निर्देश दिये। उन्होंने मुख्य कार्यकारी अधिकारी को कहा कि वे गर्मी के चार महिनों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की मॉनिटरिंग के लिए एक प्रशासनिक अधिकारी को लगायें। केन्द्रीय मंत्री ने जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारी को निर्देश दिये कि वे पोकरण विधायक के साथ बैठक कर सर्वे के दौरान जो भी ढाणी या गांव मिशन में छूट गये है उनके प्रस्ताव गम्भीरता से लेवें एवं यह सुनिश्चित करें कि कोई भी गांव जल जीवन मिशन में जुड़ने से वंचित नहीं रहे। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्य में गति लाने पर भी विशेष जोर दिया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिए जन सुनवाई कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाएं एवं उनकों राहत देकर सुशासन का संदेश आमजन को दें। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे पात्र लोगों को लाभान्वित कर उनका आर्थिक उत्थान कराएं। उन्होंने सांसद एवं विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास कोष के कार्यों को समय सीमा में पूरा कराने तथा महानरेगा के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने अतिरिक्त जिला कलक्टर को कहा कि वे नगरपालिका पोकरण में विकास कार्यों के सम्पादन के लिए नगर परिषद जैसलमेर से लगाये गये कनिष्ठ अभियन्ता को सप्ताह में दो दिवस सोमवार एवं मंगलवार की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करावें।

पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी ने पोकरण क्षेत्र के नाचना में विद्युत वॉल्टेज में सुधार लाने के साथ ही पोकरण शहर में पानी की आपूर्ति सुचारू करने पर जोर दिया। बैठक में पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी, पंचायत समिति सांकड़ा के प्रधान भगवतसिंह तंवर, नगरपालिका पोकरण के अध्यक्ष मनीष पुरोहित, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रश्मि रानी सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान पावर पॉइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से विभागीय गतिविधियों एवं उनकी प्रगति को प्रदर्शित किया गया।

विहिप ने सपा सांसद रामजीलाल सुमन की राणा सांगा पर की गई टिप्पणी को शर्मनाक बताया

जयपुर। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद रामजी लाल सुमन की राजपूत योद्धा राणा सांगा पर की गई टिप्पणी को शर्मनाक बताते हुए उनसे माफी मांगने की मांग की। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमितोष पारीक ने कहा, रामजी लाल सुमन द्वारा दिया गया बयान बेहद शर्मनाक है। शायद वह मेवाड़ की वीर गाथाओं से परिचित नहीं हैं। उन्होंने कहा, राणा सांगा न केवल मेवाड़ बल्कि राजस्थान का भी गौरव हैं। राणा सांगा ने 100 युद्ध जीते और इब्राहिम लोदी को हराया। पारीक ने बताया कि सुमन का बयान उनकी विकृत मानसिकता को दर्शाता है और उन्होंने समाजवादी पार्टी से माफी मांगने की मांग की।

हाल ही में राज्यसभा सदस्य का एक कथित वीडियो सामने आया है, जिसमें वह यह कहते सुने जा रहे हैं कि राणा सांगा एक गद्दार थे और इब्राहिम लोदी को हराने के लिए राणा सांगा बाबर को लाए थे।

झोपड़ी में आग लगने से पांच महीने के बच्चे की मौत

जयपुर। राजस्थान के पाली जिले में शनिवार को एक झोपडी में आग लगने से पांच महीने के बच्चे की झुलसकर मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नाना थाना प्रभारी रतन सिंह देवड़ा ने बताया कि जिस समय झोपड़ी में आग लगी, उस वक्त बच्चे के माता-पिता खेत में काम पर गए हुए थे। उन्होंने बताया कि हादसे में पांच महीने के बच्चे मनोज की मौत हो गई।

केन्द्रीय मंत्री ने सपा सांसद की राजपूत योद्धा राणा सांगा पर विवादास्पद टिप्पणी की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को राजस्थान के राजपूत योद्धा राणा सांगा पर समाजवादी पार्टी (सपा) के राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन की विवादास्पद टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा कि राणा सांगा ने भारत की संस्कृति को सनातन बनाए रखने में बहुत बड़ा योगदान दिया है।

उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास की समीक्षा करने वाले एक हजार वर्ष बाद या जब भी समीक्षा करेंगे तो कभी बाबर और राणा सांगा की तुलना नहीं कर पाएंगे। शेखावत ने कहा, महाराणा सांगा ने स्वतंत्रता की जो अलख जगाई थी, उसने न सिर्फ भारत को गुलाम होने से बचाया बल्कि भारत की संस्कृति को सनातन बनाए रखने में बहुत बड़ा योगदान दिया था।

उन्होंने कहा कि कुछ 'तुच्छ बुद्धि' और 'छोटे हृदय' के लोग ऐसी चर्चाएं करते हैं। शेखावत ने जयपुर में संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि इन चर्चाओं की कोई गुंजाइश नहीं है।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में सांसद रामजीलाल सुमन यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि इब्राहिम लोदी को हराने के लिए राणा सांगा बाबर को लाए थे। उन्होंने कहा कि भाजपा वाले कहते हैं कि बाबर का डीएनए मुसलमानों में है। सुमन ने कहा, हिन्दुस्तान का मुसलमान बाबर को अपना आदर्श नहीं मानता बल्कि वे मोहम्मद साहब और सूफी संतों की परंपराओं को अपना आदर्श मानते हैं।

सांसद ने कहा कि इब्राहिम लोदी को हराने के लिए राणा सांगा बाबर को लाया था। सुमन ने कहा, मुसलमान तो बाबर की औलाद है, और तुम गद्दार राणा सांगा की औलाद हो। यह हिंदुस्तान में तय होना चाहिए। राणा सांगा या संग्राम सिंह प्रथम 1508 से 1528 तक मेवाड़ (राजस्थान) के शासक थे। उन्हें मुगल साम्राज्य के एक विरोधी के रूप में जाना जाता है।

कुमावत ने जैसलमेर जिले में कर्रा रोग रोकथाम के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने जैसलमेर जिले में कर्रा रोग के फैलाव को रोकने के लिए सावधानी बरतते हुए पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। कुमावत ने विभाग के अधिकारियों की शनिवार देर रात बैठक ली और यह निर्देश दिए। उन्होंने पिछले दिनों इस रोग से जैसलमेर जिले में 36 तथा फलौदी क्षेत्र में दो पशुओं की हुई मृत्यु को गंभीरता से लेते हुए यह आकस्मिक बैठक बुलाई और अधिकारियों को भविष्य में सावधानी बरतते हुए रोग को रोकने के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

उन्होंने जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा और फलौदी जिलों के जिला कलेक्टर्स से भी बात की और जिले में स्टाफ, दवाइयां और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए इन्हें चाक चौबंद करने के निर्देश दिए जिससे स्थिति को बिगड़ने से पहले ही काबू में किया जा सके। उन्होंने रोग से मृत पशुओं के त्वरित एवं वैज्ञानिक रूप से उचित निस्तारण की भी व्यवस्था करने के निर्देश दिए जिससे दूसरे पशुओं में संक्रमण न फैल सके। उन्होंने इस बीमारी के फैलाव को रोकने के लिए अधिक से अधिक प्रचार प्रसार पर भी जोर दिया और कहा कि प्रभावित जिलों के सभी पशु चिकित्सा संस्थानों के कार्मिक अपने अपने क्षेत्र के पशुपालकों को इस बारे में जागरूक करते रहें जिससे रोग की स्थिति आने पर उनके पशुओं को सही समय पर उचित इलाज मिल सके और पशुधन की हानि को रोका जा सके।

उन्होंने विभाग के अधिकारियों से जिलों में मिनरल मिक्सर और औषधियों की उपलब्धता पर चर्चा करते हुए उन्हें निर्देश दिया कि दवाइयों की कमी की वजह से कोई समस्या नहीं आने पाए इस बात का अधिकारी विशेष ध्यान रखें और समय समय पर इसकी समीक्षा करते रहें। कुमावत ने पशुपालकों को सुझाव दिया कि वे अपने पशुओं को कैल्सियम और फॉस्फोरस युक्त आहार खिलाएं। बैठक में पशुपालन निदेशक डा आनंद सेजरा सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि यह बीमारी मुख्य रूप से पशुओं में हरे चारे तथा कैल्सियम एवं फास्फोरस की कमी के कारण होती है। इसके कारण पशु मृत पशुओं की हड्डियों को खाने लगते हैं और इससे मृत पशुओं की हड्डियों से बोचुलिजम रोग के कीटाणु इन पशुओं में आ जाते हैं और रोग के फैलाव की स्थिति उत्पन्न होती है।

चित्तौड़गढ़ के जौहर मेले में मुख्यमंत्री सहित अन्य राजनेता होंगे शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ स्थित विश्व प्रसिद्ध दुर्ग पर मंगलवार को आयोजित होने वाले जौहर मेले में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा सहित अन्य राजनेता एवं धर्म गुरु शामिल होकर वीरांगनाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। जौहर स्मृति संस्थान के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दुर्ग पर आयोजित होने वाले जौहर श्रद्धांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत मेले के रूप में फतहप्रकाश महल प्रांगण में मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के आगमन की पुष्टि होने के बाद पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल तथा हैलीपेड का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की आवश्यक तैयारियां की है।

कार्यक्रम आयोजक जौहर स्मृति संस्थान के अनुसार 25 मार्च को जौहर श्रद्धांजलि समारोह का मुख्य आयोजन होगा जिसमें भूपाल राजपूत छात्रावास से प्रातः 8 बजे विशाल शोभायात्रा का शुभारंभ होगा। राजपूत भूपाल राजपूत छात्रावास से जौहर प्रतिमा की शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए रास्ते में वीर पूजा करते हुए दुर्ग पर पहुंचेगी। शोभायात्रा में हाथी, ऊंट, घोड़े आदि शामिल होंगे। शोभायात्रा में महाराणा सांगा, महाराणा प्रताप, भक्तिमति मीरा, महारानी पद्मिनी, हाड़ी रानी आदि की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेगी। शोभायात्रा के दौरान पांडनपोल से दुर्ग तक प्रातः 11 बजे बलिदानी शुरमाओ के स्मारकों का पूजन होगा। 11:30 बजे विजय स्तंभ के समीप जौहर स्थल पर यज्ञ पूर्णाहुति दी जाएगी। दोपहर 12.15 बजे से मुख्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम की शुरुआत होगी। कार्यक्रम में धर्मगुरु, अतिथियों, समाज सेवकों के उद्बोधन के साथ-साथ सम्मान समारोह का आयोजन भी किया जाएगा। फतेह प्रकाश महल प्रांगण में आयोजित मुख्य समारोह में धर्मगुरू श्रीदुधेश्वर पीठाधीश्वर गाजियाबाद के श्रीमहंत एवं दिल्ली संत मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के प्रवक्ता महंत नारायणगिरी महाराज का आशीर्वचन प्राप्त होगा। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं, खिलाड़ियों एवं छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा।

दीया कुमारी ने 21 कुण्डीय महायज्ञ कार्यक्रम में लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को राजधानी जयपुर के विधाधरनगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित 21 कुण्डीय महायज्ञ कार्यक्रम में शामिल हुई। क्षेत्र के वीकेआई सड़क संख्या सत्रह में सर्व हिंदू समाज और गायत्री परिवार के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम के इस दौरान सुदिया कुमारी ने प्रदेश में सुख-शांति, सुरक्षा और प्रगति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने महिलाओं के साथ जमीन पर बैठकर उनका हालचाल जाना और उन्हें इस आयोजन की बधाई दी। इस मौके पर उन्होने कहा कि यज्ञ-हवन एक तरफ पर्यावरण को स्वच्छ रखते हैं वहीं आध्यात्मिक ज्ञान और ध्यान का माध्यम भी बनते हैं। हवन पूजा से मन शांत होता है, सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और औषधीय गुणों के कारण वातावरण में शुद्धता आती है। सामूहिक रूप से हवन किया जाना सामाजिक समरसता और आपसी सौहार्द का परिचायक है।

उन्होंने कहा कि अध्यात्म से जुड़ी यह सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर धीरे-धीरे कम होती जा रही हैं, उसका भी हमें संरक्षण और संवर्धन करना चाहिए। यह हमारी भारतीय संस्कृति की पहचान है और इस तरह के प्रयास इस पहचान को और मजबूत करेंगे।

बर्तन बैंक

कोटा जिले के रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र की खैराबाद पंचायत समिति में प्रदेश का पहला स्टील बर्तन बैंक विधिवत रूप से शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने रविवार को विधिवत रूप से बर्तन बैंक का शुभारंभ किया। खैराबाद पंचायत समिति द्वारा इस बर्तन बैंक का संचालन किया जाएगा। प्रारंभ में इस बर्तन बैंक में 900 सेट स्टील बर्तन रखे गए हैं। बाद में आवश्यकता अनुसार इनकी संख्या में वृद्धि की जाएगी।

25 से 31 मार्च तक होगा राजस्थान दिवस उत्सव, मुख्यमंत्री देंगे प्रदेशवासियों को सौगातें

जयपुर। राजस्थान दिवस (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, 30 मार्च) के उपलक्ष्य में राज्य सरकार वृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मंशानुरूप 25 से 31 मार्च तक प्रदेशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश के गरीब, युवा, महिला और किसानों को विशेष सौगातें दी जाएगी। इसके साथ ही निवेश उत्सव, सुशासन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

राजस्थान दिवस समारोह का आगाज 25 मार्च को मरूधरा बाड़मेर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित मातृवन्दन को समर्पित 'महिला सम्मेलन' से होगा। वहीं 26 मार्च को 'किसान सम्मेलन एवं एफ.पी.ओ. कार्यक्रम' के मुख्य समारोह का आयोजन बीकानेर में तथा 27 मार्च को 'गरीब एवं अन्त्योदय' का मुख्य कार्यक्रम भरतपुर में आयोजित किया जाएगा। इसी तरह 28 मार्च को 'सुशासन समारोह' का आयोजन भीलवाड़ा में एवं 29 मार्च को 'युवा एवं रोजगार उत्सव' का आयोजन कोटा में होगा। राज्य स्तरीय 'सांस्कृतिक कार्यक्रम' 30 मार्च (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) को एवं राज्य स्तरीय 'निवेश उत्सव' 31 मार्च को जयपुर में आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर आयोजित होने वाले महिला सम्मेलन के माध्यम से लाडो प्रोत्साहन योजना की लाभार्थियों एवं विभिन्न महिला समूहों को सीआईएफ राशि का हस्तान्तरण किया जाएगा। साथ ही, प्रदेश की महिलाओं को इंडक्शन कुकटाप, कालीबाई भील योजना के अन्तर्गत स्कूटी वितरण एवं विवेकानन्द स्कॉलरशिप योजना के लाभान्वितों को स्वीकृति पत्र का वितरण सहित कई सौगातें दी जाएगी।

भजनलाल ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. डॉ. देबेंद्र प्रधान को श्रद्धांजलि अर्पित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को ओडिशा के तालचेर में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के निज आवास पहुंचकर उनके पिता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. डॉ. देबेंद्र प्रधान को श्रद्धांजलि अर्पित की। शर्मा ने डॉ. देबेंद्र प्रधान के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी।

मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए और परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी तथा उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा मौजूद रहे।

हाईटेंशन लाइन के चपेट में आने से तीन युवकों की मौत

जयपुर। राजस्थान में नागौर जिले के भावंडा थाना क्षेत्र में रविवार को बिजली की हाईटेंशन लाइन से करंट लगने से मोटरसाईकिल पर सवार तीन युवकों की मौत हो गयी। पुलिस उपाधीक्षक गोपालसिंह ढाका ने बताया कि खींवसर के मुंदियाड गांव में सडक पर हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर नीचे गिरा हुआ था। मोटरसाईकिल सवार युवकों का इस पर ध्यान नहीं रहा और मोटरसाईकिल जैसे ही हाईटेंशन लाइन के टूटे हुए तार के संपर्क में आई तो उसमें करंट दौड़ गया। हादसे में मोटरसाईकिल पर सवार तीनों युवक करंट की चपेट में आने से गिर पड़े और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। मृतकों की पहचान मुंदियाड निवासी पीथाराम देवासी, कालूराम देवासी और जेठाराम देवासी के रूप में हुई है।

महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान नहीं करने वालों के लिए समाज में कोई जगह नहीं : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि जो देश के महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान नहीं कर सकता, उसके लिए समाज में कोई जगह नहीं हो सकती।

कानपुर में बिठूर महोत्सव को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, मैं फिर से कहता हूं कि जो देश के महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान नहीं कर सकता, उसके लिए कोई जगह नहीं हो सकती।

मुख्यमंत्री ने कहा, जो आक्रमणकारी थे, जिन्होंने भारत की आस्था पर हमला किया, जिन्होंने भारत और भारतीयता से नफरत की, जिन्होंने भारत की बहनों और बेटियों के सम्मान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की, जिन्होंने भारत की सनातन संस्कृति को रौंदा, जो भारत की आस्था को कुचल रहे थे, वे कभी भी भारत के लिए आदर्श नहीं हो सकते, वे कभी भी भारत के नागरिकों के लिए आदर्श नहीं हो सकते।

योगी आदित्यनाथ ने विदेशी आक्रमणकारियों को आदर्श मानने वाले व्यक्तियों की आलोचना करते हुए उनसे अपने रुख पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

उन्होंने गणतंत्र दिवस परेड के दौरान इंडोनेशिया के राष्ट्रपति द्वारा दिए गए एक बयान पर प्रकाश डाला, जिसे वे आंखें खोलने वाला मानते हैं। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने कहा था कि अगर कभी हमारा डीएनए टेस्ट किया जाए तो वह भारतीय ही निकलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंडोनेशिया दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम बहुल देश है और उनका (राष्ट्रपति) यह बयान उन लोगों के लिए आंखें खोलने वाला है, जो भारत में विदेशी आक्रमणकारियों को अपना आदर्श मानते हैं।

आदित्यनाथ ने कहा, मुझे विश्वास है कि इस बयान के बाद उन लोगों में भी छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप, गुरु गोविंद सिंह जी महाराज और भारत के इन महान योद्धाओं, महान भारत के महान क्रांतिकारियों के प्रति सम्मान की भावना पैदा होगी और वे भारत को महान बनाने में अपना योगदान देंगे।

मणिपुर में शांति प्रयासों में प्रगति हो रही है : अर्जुन राम मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को कहा कि मणिपुर में शांति बहाल करने के प्रयासों में प्रगति हुई है तथा इसके और आगे बढ़ने की जरूरत है।

मेघवाल मणिपुर उच्च न्यायालय की स्थापना की 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक समारोह से इतर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास से कथित रूप से नकदी मिलने को लेकर मंत्री ने कहा कि देश की शीर्ष अदालत मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय मामले की जांच कर रहा है...समिति की रिपोर्ट आने दीजिए...हम उसके बाद बात करेंगे।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने शनिवार को न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोपों की आंतरिक जांच करने के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की और निर्देश दिया कि उन्हें कोई न्यायिक कार्य न सौंपा जाए। न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास से कथित तौर पर आग लगने के बाद बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की गई थी।

मणिपुर हिंसा पर मंत्री ने कहा कि हिंसाग्रस्त राज्य में स्थिति में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा, हमने शांति बहाल करने के प्रयासों में प्रगति की है तथा इसके और आगे बढ़ने की आवश्यकता है। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद, संसद के दोनों सदनों में इस मामले पर चर्चा की गई और शांति बहाली की आवश्यकता पर बल दिया गया।

न्यायमूर्ति गवई ने मणिपुर हिंसा पर कहा, यदि बातचीत की जाए तो समाधान दूर नहीं हो सकता है

इंफाल/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई ने रविवार को कहा कि सभी समस्याएं संवैधानिक तरीकों से हल की जा सकती हैं तथा जब बातचीत होती है तो समाधान तक पहुंचा जा ही सकता है।

न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल को पता चला है कि जातीय संघर्ष से ग्रस्त इस राज्य में हर कोई शांति बहाली चाहता है और किसी को भी वर्तमान स्थिति के जारी रहने में रुचि नहीं है। वह शनिवार को मणिपुर की दो दिवसीय यात्रा पर आये उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों के दल के अगुवा हैं।

मणिपुर उच्च न्यायालय की स्थापना की 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा, संवैधानिक तरीकों से हर चीज का समाधान किया जा सकता है। अगर बातचीत होगी तो समाधान दूर नहीं होगा। राहत शिविरों में रह रहे लोग अपने घर लौटना चाहते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि राज्यपाल के प्रयासों से मणिपुर में जल्द ही शांति और सामान्य स्थिति बहाल होगी। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए उस राज्य का दौरा करना बहुत खुशी की बात है, जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिन्द फौज ने देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी थी और जहां 1944 में पहली बार भारतीय ध्वज फहराया गया था। उन्होंने कहा, हमारी यात्रा न केवल देश के सबसे सम्मानित राष्ट्रीय नायकों में से एक को श्रद्धांजलि देने के लिए थी, बल्कि देश की सबसे खूबसूरत भूमि में से एक की यात्रा करने के लिए भी थी।

उन्होंने कहा,''...जैसे महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश या जम्मू और कश्मीर भारत का हिस्सा हैं, वैसे ही मणिपुर और अन्य सात बहनें (पूर्वोत्तर के अन्य राज्य) भी इस देश का हिस्सा हैं। हम देश की एकता के लिए प्रयास करते हैं।

न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि उन्होंने और उनके सहयोगियों ने फैसला किया था कि मणिपुर की यात्रा के दौरान वे उन लोगों से बातचीत करेंगे जो दिो वर्षों से संघर्ष के कारण पीड़ित हैं। हमने चुराचांदपुर और बिष्णुपुर में राहत शिविरों का दौरा किया।

राजग देशभर में प्रवासी बिहारियों से जुड़ने की कर रहा है चेष्टा: दुबे

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार देश भर में बड़ी प्रवासी बिहारी आबादी से जुड़ने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। यह कदम इस वर्ष के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले उठाया गया है। बिहार दिवस समारोह में भाग लेने के लिए कोलकाता पहुंचे दुबे ने कहा कि आजीविका के लिए राज्य से बाहर रहने वाले अनुमानत: दो करोड़ बिहारियों से जुड़ने के लिए 22 से 30 मार्च तक कई राज्यों में 75 स्थानों पर इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दुबे ने कहा,''राजग सरकार चाहती है कि वे बिहार में हुए विकास और प्रगति को प्रत्यक्ष रूप से देखें। हमें उम्मीद है कि गठबंधन को सत्ता में वापसी के लिए उनका समर्थन जारी रहेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या यह कदम चुनाव जीतने के उद्देश्य से उठाया है, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्राथमिक उद्देश्य नहीं है, बल्कि (प्रवासी बिहारियों के साथ) भावनात्मक संबंधों को मजबूत करना है। दुबे ने प्रवासी बिहारियों के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने के पार्टी के प्रयास को स्वीकार करते हुए कहा, हम नहीं चाहते कि वे स्थानांतरित हों या बिहार के नए मतदाता बनें, लेकिन उन्हें अपनी मातृभूमि से जुड़े रहना चाहिए।

न्यायिक प्रणाली में लोगों का विश्वास कम हो रहा है : सिब्बल

नई दिल्ली/भाषा। न्यायिक प्रणाली के प्रति लोगों का विश्वास कम होने का दावा करते हुए राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा है कि विकल्प तभी मिल सकते हैं जब सरकार और न्यायपालिका दोनों यह स्वीकार करें कि न्यायाधीशों की नियुक्ति सहित मौजूदा प्रणालियां कारगर नहीं रह गई हैं। सिब्बल ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में न्यायिक प्रणाली की ''खामियों'' के बारे में बात की। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि किस तरह जिला और सत्र न्यायालयों द्वारा ज्यादातर मामलों में जमानत नहीं दी जा रही है। वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने पिछले साल इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव द्वारा दिए गए विवादास्पद बयान के मुद्दे का भी हवाला दिया। हालांकि, सिब्बल ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास पर कथित रूप से भारी मात्रा में नकदी मिलने के मामले पर टिप्पणी करने से परहेज किया। उन्होंने इस मुद्दे पर कहा, इस मामले से निपटने के लिए एक आंतरिक प्रक्रिया है। अब, तथ्यों के अभाव में मुझे नहीं लगता कि इस देश के एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में मुझे इस पर टिप्पणी करनी चाहिए।

चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के आरोप में 80 वर्षीय एक बुजुर्ग गिरफ्तार

बुलंदशहर (उप्र)/भाषा। बुलंदशहर के नरसेना थानाक्षेत्र में चार साल की बच्ची के साथ कथित रूप से दुष्कर्म करने को लेकर 80 वर्षीय एक बुजुर्ग को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार नरसेना थाना क्षेत्र के एक गांव में एक व्यक्ति की चार साल की पोती शनिवार शाम छत पर खेलते हुए लापता हो गई थी। तलाशी के दौरान पड़ोस में रहने वाले सागर (80) नामक व्यक्ति के घर से बच्ची के रोने की आवाज आई। जैसे ही बच्ची के परिजन मौके पर पहुंचे तो उन्होंने सागर को उसके (बच्ची के) साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा। पीड़िता की मां ने बताया कि उनकी बेटी के साथ बलात्कार किया है तथा उसके गुप्तांग से खून निकल रहा था। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) शंकर प्रसाद ने बताया कि प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है तथा बच्ची को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

सुमन ने तो बस इतिहास का एक पन्ना पलटा है : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन के सदन में गद्दार वाली टिप्पणी पर पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने उनका बचाव करते हुए रविवार को कहा कि भाजपा के लोग इतिहास के पन्ने पलट कर औरंगजेब की बहस छेड़ना चाहते हैं, तो सुमन ने भी तो तारीख का एक पन्ना ही पलटा है।

सुमन ने 21 मार्च को राज्यसभा में राणा सांगा को 'गद्दार' करार देते हुए कहा था कि हिंदू लोग सांगा की औलाद हैं। उनके इस बयान को लेकर खासा विवाद खड़ा हो गया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने समाजवाद के प्रणेता डॉ राम मनोहर लोहिया की जयंती के अवसर पर रविवार को यहां उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में सुमन की

विवादित टिप्पणी के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा, इतिहास के पन्ने सभी लोग पलट रहे हैं। भाजपा वालों से पूछिए कि वे इतिहास का कौन सा पन्ना पलट रहे हैं? वह किस बात पर बहस कर रहे हैं? वे औरंगजेब पर बहस छेड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा, अगर रामजीलाल सुमन जी ने इतिहास का कोई पन्ना पलट दिया है, जिस पन्ने पर अगर इस तरह के भाव लिखे होंगे। आज से 200 साल पहले हमने तो इतिहास नहीं लिखा। गौरतलब है कि सपा के राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन ने हाल ही में सदन को संबोधित करते हुए कहा था, हिंदुस्तान का मुसलमान तो बाबर को अपना आदर्श नहीं मानता है। वो मोहम्मद साहब को अपना आदर्श मानता है। सूफी संतों की परंपरा को अपना आदर्श मानता है। लेकिन, मैं जानना चाहूंगा कि बाबर को कौन लाया था? बाबर को इब्राहिम लोदी को हराने के लिए राणा सांगा लाया था। तो अगर मुसलमान बाबर की औलाद है, तो तुम (हिंदू समाज) गद्दार राणा सांगा की औलाद हो। हम बाबर की तो आलोचना करते हैं। राणा सांगा की नहीं करते हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा से समाजवादी पार्टी का निवेदन है कि इतिहास के पन्ने ना पलटे, क्योंकि अगर ऐसा होगा तो लोग यह भी याद करेंगे कि छत्रपति शिवाजी का जब तिलक होना था तो किसी ने हाथ से उनका तिलक नहीं किया था। सुनने में आ रहा है कि बायें पैर के अंगूठे से उनका तिलक किया गया था तो क्या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस बात की आज निंदा करेगी?

वक्फ विधेयक संविधान पर हमला : कांग्रेस

सद्भाव को नुकसान पहुंचाने की भाजपा की रणनीति का हिस्सा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को संविधान पर ''हमला'' करार देते हुए रविवार को आरोप लगाया कि यह प्रस्तावित कानून सामाजिक सद्भाव के सदियों पुराने बंधनों को ''नुकसान पहुंचाने के'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ''लगातार जारी प्रयासों'' का हिस्सा है।

विपक्षी दल ने आरोप लगाया कि यह दुष्प्रचार और पूर्वाग्रह पैदा करके अल्पसंख्यक समुदायों को बदनाम करने की भाजपा की कोशिशों का भी हिस्सा है। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 ''अत्यंत दोषपूर्ण'' है। उन्होंने एक बयान में कहा, वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 हमारे विशिष्ट बहु-धार्मिक समाज में सदियों पुराने सामाजिक सद्भाव के धागों को नुकसान पहुंचाने की भाजपा की रणनीति और उसके निरंतर प्रयास का हिस्सा है।

रमेश ने दावा किया कि यह ''झूठा प्रचार करके और पूर्वाग्रह पैदा करके अल्पसंख्यक समुदायों को बदनाम करने का भाजपा का निरंतर प्रयास'' है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस विधेयक का उद्देश्य उन संवैधानिक प्रावधानों को कमजोर करना है जो हर धर्म के नागरिकों को समान अधिकार और सुरक्षा की गारंटी देते हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि यह अल्पसंख्यक समुदाय की परंपराओं और संस्थाओं को बदनाम करने की भाजपा की रणनीति और लगातार कोशिशों का हिस्सा है ताकि ''चुनावी लाभ के लिए समाज को स्थायी ध्रुवीकरण की स्थिति में रखा जा सके। उन्होंने कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पांच कारणों से गंभीर रूप से दोषपूर्ण है। रमेश ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती कानूनों के तहत वक़्फ प्रबंधन के लिए बनाए सभी संस्थानों की स्थिति, संरचना और अधिकार को सुनियोजित तरीके से कम करने का प्रयास किया गया है, ताकि अल्पसंख्यक समुदाय को अपनी धार्मिक परंपराओं और धार्मिक संस्थाओं के प्रशासनिक अधिकार से वंचित किया जा सके।

संभल की शाही जामा मस्जिद प्रबंध समिति के अध्यक्ष गिरफ्तार, परिवार ने बताया साजिश

संभल/भाषा। उत्तर प्रदेश में संभल की शाही जामा मस्जिद की प्रबंध समिति के अध्यक्ष जफर अली को पिछले साल 24 नवंबर को हुई हिंसा के मामले में रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

जफर अली के बड़े भाई ताहिर अली ने आरोप लगाया है कि उनके भाई को सोमवार को संभल हिंसा मामले की जांच के लिए गठित आयोग के समक्ष पेश होना था इसीलिए उन्हें जानबूझकर गिरफ्तार करके जेल भेजने की साजिश को अंजाम दिया गया है। संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शाही जामा मस्जिद के सदर जफर अली को पिछले साल 24 नवंबर को हुई हिंसा के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है।

इससे पहले, संभल कोतवाली के प्रभारी अनुज कुमार तोमर ने बताया था कि जफर अली को पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पिछले साल 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा के मामले में बयान दर्ज करने के लिए हिरासत में लिया है। उन्होंने बताया था कि अली को एसआईटी ने हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस 'एक्शन मोड' में : बिहार में 2005 की तरह खुलकर मुठभेड़ शुरू हो गई है : विजय सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार में पुलिस अधिकारियों पर लगातार हो रहे हमलों की पृष्ठभूमि में राज्य के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने रविवार को कहा कि पुलिस 'ऐक्शन मोड' में आ गई है और राज्य में 2005 की तरह ''खुलकर मुठभेड़'' शुरू हो गई है, ताकि जनता को अपराधियों से सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने एक समाचार चैनल के कार्यक्रम 'डायमंड स्टेट्स समिट' के ग्रैंड फिनाले में यह टिप्पणी की।

सिन्हा का बयान बिहार की राजधानी पटना में मुठभेड़ के बाद एक कुख्यात अपराधी भरत कुमार समेत तीन बदमाशों को गिरफ्तार किए जाने के बाद आया है। इससे पहले, शनिवार को अररिया और वैशाली जिलों में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में पुलिस ने एक इनामी

अपराधी को मार गिराया और तीन अन्य को गिरफ्तार किया। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र में हुई एक अन्य मुठभेड़ में पुलिस ने विशाल कुमार और सुशील कुमार नामक दो अपराधियों को गिरफ्तार किया था।

राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए सिन्हा ने कहा, चार्टर्ड विमान में जन्मदिन मनाने वाला जनता की सेवा नहीं कर सकता। क्या ऐसा व्यक्ति बिहार के श्रमिकों का सम्मान कर पाएगा, जो अपने आपको राजा-रानी का पुत्र समझता हो या जनता का मालिक बनना चाहता हो। ऐसा व्यक्ति जनता की सेवा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा करने के लिए जन सेवक बनना जरूरी होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए सिन्हा ने कहा कि पहले 30 प्रतिशत लोगों का बैंक में खाता था, जबकि अब 80 फीसदी से ज्यादा लोगों के पास बैंक खाता है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे बिहार भी लाभान्वित हुआ है। उन्होंने कहा, किसान को लोग समझते हैं कि वे डिजिटल रूप से साक्षर नहीं है, लेकिन हमने देखा है कि हमारे अनुदान वितरण और हर तरह की डिजिटल गतिविधियों में अब सीमांत किसानों की भागीदारी ज्यादा है। यह बदलते बिहार का एक नया स्वरूप है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार कई योजनाओं का लाभ सीधे बैंक खाते में हस्तांतरित कर रही है, जिससे लोगों में डिजिटल रूप से जागरूकता आई है।

इशान किशन की शतकीय पारी से एसआरएच ने राजस्थान रॉयल्स को 44 रन से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। इशान किशन (47 गेंद में नाबाद 106) की तूफानी बल्लेबाजी संजू सैमसन और ध्रुव जुरेल के शानदार प्रयासों पर भरी पड़ी, जिससे सनराइजर्स हैदराबाद ने रविवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को 44 रौंदकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

किशन ने रॉयल्स के कमजोर आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए 45 गेंदों पर शानदार शतक पूरा किया। ट्रेविस हेड ने पारी की शुरुआत में 31 गेंदों पर 67 रन बनाकर रॉयल्स के गेंदबाजों के खिलाफ मनमुताबिक रन बटोरे। हेड ने इस फ्रेंचाइजी के लिए पदार्पण कर रहे किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 गेंद में 85 रन की साझेदारी की। दोनों ने मिलकर 20 चौके और नौ छक्के लगाए जिससे एसआरएच ने छह विकेट पर 286 रन का स्कोर खड़ा किया।

यह आईपीएल का दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। आईपीएल का सबसे बड़ा स्कोर भी एसआरएच के नाम है। टीम ने पिछले साल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन बनाये थे। रॉयल्स की टीम हालांकि

कभी लक्ष्य का पीछा करने की स्थिति में नहीं दिखी लेकिन टीम खराब शुरुआत से उबरते हुए छह विकेट पर 242 रन बनाने में सफल रही। हैदराबाद की उमस भरी गर्मी में रॉयल्स के अनुभवहीन कप्तान रियान पराग ने आईपीएल की सबसे सपाट पिच पर पहले गेंदबाजी करने का फैसला करके बड़ी गलती की।

इस मैच को तीन भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के लिए भी जाना जायेगा। सैमसन (37 गेंदों पर 66 रन) और जुरेल (35 गेंदों पर 70 रन) ने 9.5 ओवरों में 111 रन की साझेदारी करके एसआरएच प्रशंसकों को थोड़ी देर के लिए डराने में सफल रही। उन्होंने बल्लेबाजी के लिए आसान परिस्थितियों का फायदा उठाते हुड सहजता से बड़े शॉट खेले। बल्लेबाजों के आक्रामक प्रदर्शन से सनराइजर्स हैदराबाद हमेशा से ही जीत माना जा रहा था लेकिन मैच का निर्णायक मोड़ दो ओवरों में आया। एडम जम्पा (चार ओवर में 48 रन पर एक विकेट) और कप्तान पैट कमिंस (चार ओवर में बिना किसी सफलता के 60 रन) ने 10वें और 11वें ओवर में सात रन खर्च किए जिससे जरूरी रन गति काफी इजाफा हो गया। हर्षल पटेल (चार ओवर में 34 रन पर दो विकेट) ने एक बार फिर शानदार गेंदबाजी की खास कर आखिरी ओवरों में उन्होंने राजस्थान को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

नक्सली हताश हो चुके हैं क्योंकि उनके खिलाफ अभियान तेज़ हो रहा है : हेमंत सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को कहा कि राज्य में सुरक्षा बलों के अभियान तेज होने से नक्सली हताश हो गए हैं। सोरेन और राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पश्चिमी सिंहभूम जिले में आईईडी विस्फोट में शहीद हो गए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

यहां सीआरपीएफ की 133वीं बटालियन मुख्यालय में इन शहीद जवान को श्रद्धांजलि देने के लिए पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया था। सोरेन ने पत्रकारो से कहा, सीआरपीएफ जवान का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। नक्सली हताश हो चुके हैं क्योंकि उनके खिलाफ अभियान तेज हो रहा है... यह अभियान जारी रहेगा। पुलिस के

अनुसार, पश्चिमी सिंहभूम जिले में छोटानागरा थानाक्षेत्र के वानग्राम मरंगपोंगा जंगल में शनिवार को नक्सल विरोधी अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ की 193 वीं बटालियन के उप-निरीक्षक सुनील कुमार मंडल और एक अन्य जवान पार्थ प्रतिम घायल हो गए थे। दोनों को हवाई मार्ग से रांची लाया गया जहां उपनिरीक्षक मंडल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

सुविचार

जो लोग अच्छाई करने में स्वयं को ज्यादा व्यस्त रखते हैं, वह स्वंय को अच्छा बनने के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

समाज की मजबूती में सुरक्षित भविष्य

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने बांग्लादेश में कट्टरपंथी तत्त्वों द्वारा हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न का मुद्दा पुरजोर ढंग से उठाया है। जब से इस पड़ोसी देश में सत्ता परिवर्तन हुआ है, वहां अल्पसंख्यकों का जीना मुहाल हो गया है। शुरुआत में ज़्यादातर देशों और वरिष्ठ नेताओं ने संपूर्ण घटनाक्रम पर चुप्पी साधे रखी, लेकिन जब सोशल मीडिया ने पूरा सच खोलकर सामने रख दिया तो हिंसा के विरोध में जगह-जगह से आवाजें उठने लगीं। बांग्लादेश में हिंदुओं समेत सभी अल्पसंख्यकों में बड़ी तादाद उन लोगों की है, जो ग़रीब हैं। उन पर पहले भी बहुत अत्याचार हुए हैं। उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर सबसे ज्यादा उम्मीदें भारत से हैं। यहां नेताओं का एक वर्ग वोटबैंक की राजनीति के कारण बांग्लादेश में बवाल और उत्पीड़न पर खामोश रहा था। उसे सोशल मीडिया पर चौतरफा आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। जब देखा कि अब खामोश रहना ठीक नहीं है तो बयान देने शुरू कर दिए, लेकिन उनके साथ कुछ शब्द इतनी सफाई से जोड़ दिए, ताकि अपनी बात कह दी जाए और सियासी नुकसान भी न हो। 'बैलेंस' बनाकर चलने के अपने फायदे हैं! हां, भारत में कई संगठनों ने रैलियां निकालीं, बांग्लादेशी हिंदुओं की रक्षा के लिए खुलकर आवाज उठाई। अमेरिका में भी प्रदर्शन हुए। वहां संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने खुलकर कहा कि बांग्लादेशी हिंदुओं का जीवन मायने रखता है, उनकी रक्षा होनी चाहिए। इसी क्रम में अब आरएसएस के शीर्ष निर्णायक मंडल अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) की बैठक में बांग्लादेश के संबंध में प्रस्ताव पारित किया जाना स्वागत-योग्य है।

आरएसएस ने स्पष्ट कहा है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है। वहां मठों, मंदिरों, दुर्गापूजा पंडालों और शैक्षणिक संस्थानों पर हमले बढ़े हैं, देव प्रतिमाओं का अपमान हुआ है। यही नहीं, हत्याओं, संपत्तियों की लूट, महिलाओं के अपहरण आदि की घटनाएं भी सामने आई हैं। सोचिए, कभी जिस भूमि पर 'वंदे मातरम्' गूंजता था, जहां से निकली राष्ट्रवाद की लहर ने पूरे भारत में चेतना का प्रसार कर दिया था, वहां ऐसे हालात क्यों पैदा हो गए? आज जिसे 'बांग्लादेश' कहा जाता है, वहां हमारे कई तीर्थस्थल हैं। इस देश को आज़ाद करवाने के लिए हमारे सैनिकों ने अपना लहू दिया था। आज वहां कट्टरपंथियों ने हाहाकार मचा रखा है। बांग्लादेश को देखकर समझ आता है कि पैसा, प्रतिष्ठा, पदवी, प्रशंसा अपनी जगह हैं, इनके साथ-साथ समाज का मजबूत होना बहुत जरूरी है। बांग्लादेश में रहने वाले ऐसे हिंदू जो करोड़ों-अरबों रुपए की संपत्ति के मालिक हैं, जिनके बड़े-बड़े बंगले हैं, जिन्होंने बेशकीमती पर्दे लगा रखे हैं, खूबसूरत कालीन बिछा रखे हैं, जो महंगी कारों में बैठते हैं, जिन्होंने बड़ी-बड़ी डिग्रियां ले रखी हैं, जिनकी प्रशंसाओं पर आधारित कई लेख छप चुके हैं, जिनके सोशल मीडिया पर बड़े चर्चे हैं ... आज वे कितने सुरक्षित हैं? अगर समाज मजबूत रहेगा, तो ही अन्य चीजों का महत्त्व रहेगा। बांग्लादेश में ऐसी कई हवेलियां देखने को मिलेंगी, जिनमें धनवान हिंदू पीढ़ियों से रह रहे थे, लेकिन देशविभाजन के बाद उन्हें रातोंरात सबकुछ छोड़कर जाना पड़ा। जो एक रात पहले मुलायम गद्दों पर सो रहे थे, उन्हें बाद में कई साल जमीन पर सोना पड़ा। जिनकी बही में हजारों-लाखों रुपए के हिसाब थे, वे एक ही झटके में डूब गए। 'मुझे क्या ... मेरा क्या ... मुझे राजनीतिक व्यवस्था से क्या मतलब ...', जैसी सोच खतरनाक है। समाज को एकजुट रखते हुए निरंतर सुधार की प्रक्रिया के साथ उसे मजबूत करते जाना और स्वस्थ व्यवस्थाओं को अपनाने में अग्रणी रहकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना बहुत जरूरी है। यह काम आपके लिए कोई और नहीं करेगा। खुद को ही करना होगा।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. श्री शोभाराम जी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। प्रदेश के विकास एवं उन्नति में आपके द्वारा दिया गया अमूल्य योगदान सदैव याद रखा जाएगा।

–गोविंदसिंह डोटासरा

अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु तथा सुखदेव के शहादत दिवस पर उन्हें कोटि- कोटि नमन। मातृभूमि के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले देश के इन वीर सपूतों का बलिदान तथा उनकी देशभक्ति आने वाली पीढ़ियों को युगों-युगों तक प्रेरित करती रहेगी।

–अशोक गहलोत

वीर शिरोमणि महाराणा सांगा जी, जिनके शौर्य की गाथा राजस्थान की मिट्टी के कण-कण से सुनाई देती है। 80 घाव खाकर भी देश के लिए लड़ने वाले देशभक्त योद्धा के लिए कहा गया 'गद्दार' शब्द, बल्कि देश के शौर्य और बलिदान का भी अपमान है।

–दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

जुनून से जीत

वर्ष 1912 के ओलंपिक खेलों में, जिम थोर्पे नामक खिलाड़ी ने बेमेल जूते पहनकर अद्भुत प्रदर्शन किया। खेल शुरू होने से पहले उसके जूते गायब हो गए थे। उन्होंने समय व्यर्थ न गंवाते हुए जूतों की तलाश आरंभ कर दी। आखिर उन्हें कहीं से दो जूते मिल गए। मगर जूते बेमेल थे। उसने जल्दी से जुराब पहनी और जूते पहन लिए। दूसरे पैर का जूता थोड़ा ढीला था। वह पैर में कैसे फिट होए। तभी उनकी नज़र दूसरे मोजे पर गई।

उन्होंने दूसरे मोजे को पहले मोजे पर चढ़ा लिया। इसके बाद जूता पहना। अब वह जूता उनके पैर में फिट हो गया था। जिम ने 15 स्पर्धाओं में से आठ में जीत हासिल की और पेंटाथलॉन तथा डेकाथलॉन में स्वर्ण पदक जीते। उनकी यह साहसिकता और समर्पण आज भी प्रेरणा का स्रोत है। जिम थोर्पे ने साबित किया कि अगर इच्छा शक्ति और जुनून हो, तो कोई भी बाधा नहीं रोक सकती। उनका संघर्ष आज भी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है।

सामयिक

सुनीता विलियम्स : साहस से छुआ आसमान

सुरेश हिंदुस्थानी

मोबाइल : 9770015780

अगर देखना चाहते हो मेरे हौसलों की उड़ान तो आसमान से कह दो कि और ऊँचा हो जाए। ये पंक्तियाँ निश्चित ही ऐसा आभास कराती हैं कि यह असंभव जैसी बात है। क्योंकि आसमान में उड़ने वाली बात किसी ऐसे सपने जैसी ही लगती है, जो पूरा हो ही नहीं सकता। लेकिन व्यक्ति के पास साहस और धैर्य है तो वह असंभव लगने वाले लक्ष्य को भी प्राप्त कर सकता है। भारतीय मूल की बेटी सुनीता विलियम्स ने ऐसा ही एक कीर्तिमान करके दिखाया है। धरती पर रहने वाली सुनीता ने अपने साहस और धैर्य से आसमान को छूने को साहसी कार्य किया है। यह एक ऐसा कीर्तिमान है जो भविष्य के लिए एक मील का पत्थर है। जो अंतरिक्ष विज्ञान के लिए एक दिशा बोध बनेगी। आज अंतरिक्ष विज्ञान जगत के लिए सुनीता विलियम्स एक ऐसा नाम है, जिसके साथ विज्ञान को देने के लिए बहुत कुछ है। जिनकी गाथा कहते कहते लोगों के मुंह थक जाएंगे, पर गाथा ख़त्म नहीं होगी। सुनीता विलियम्स, बुच विलमोर सहित चार अंतरिक्ष यात्री जब धरती पर लौटे तो अमेरिका में खुशी का वातावरण था, तो भारत में भी असीमित उल्लास था। सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की हैं, इसलिए यह पूरे विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि उन्होंने भारत का भी मान बढ़ाया है।

सुनीता विलियम्स केवल नौ दिन के लिए अंतरिक्ष की सैर पर गई थीं, लेकिन यह क्या मालूम था कि यह नौ दिन की यात्रा नौ माह और चौदह दिन की हो जाएगी। जाहिर है यात्रा सरल नहीं थी। क्योंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण का अभाव रहता है। हालांकि सुनीता विलियम्स की यह तीसरी अंतरिक्ष यात्रा थी। हम जानते हैं धरती से वायुमंडल की परिधि समाप्त होने के बाद अंतरिक्ष की दुनिया प्रारम्भ होती है। अंतरिक्ष के बारे में कहते हैं कि मानव आकृति अधर में ही लटकी रहती है। अगर कोई यात्री अंतरिक्ष यान में भी गया है, तो भी उसे आधार नहीं मिलता। ऐसा लगता है जैसे वजनहीन हो गए हैं। अंतरिक्ष में चल फिर नहीं सकते। बस तैरते से रहते हैं। ऐसी स्थिति में अंतरिक्ष में जाना निश्चित ही अत्यंत दुष्कर कार्य है। भारतीय मूल की बेटी सुनीता विलियम्स और उनके साथ गए बुच विलमोर ने जिस साहस का परिचय दिया, वह वास्तव में काबिले तारीफ़ है। लेकिन एक बात यह भी है कि अंतरिक्ष में जाना किसी चुनौती से कम नहीं है। वहां का जीवन पृथ्वी से बहुत भिन्न है। अंतरिक्ष में पहुँचने के बाद चारों अंतरिक्ष यात्रियों का यान ज़ब भटक गया था। तब उनके मन में भी कई तरह के सवाल उठे होंगे, क्योंकि ऐसी स्थिति में यह पता नहीं होता कि वे धरती पर लौटेंगे भी या नहीं। या अंतरिक्ष में कब तक यूँ ही घूमते रहेंगे, इसका भी पता नहीं, लेकिन एक जिजीविषा थी, जो उन सबको जीने का उल्लास दे रही थी। कहते हैं कि जिसके मन में जीने का उत्साह हो तो समस्याएं सरल होती चली जाती हैं। चारों अंतरिक्ष यात्री पूरे मन से अपने मिशन पर थे। ज़ब तक वे अंतरिक्ष में थे, कुछ न कुछ करते रहे यानी शोध के कार्य में इतने व्यस्त हो गए कि उनको पता ही न चला कि उनके जीवन में कोई समस्या है।

अमेरिका के फ्लोरिडा के तट पर समुद्र में ज़ब अंतरिक्ष यान उतरा, उस समय का दृश्य सबने देखा। कितना अद्भुत, कितना चमत्कार करने वाला दृश्य था। हर कोई इस अविश्वसनीय घटना के बारे सुनकर आश्चर्यचकित ही था। जिन्होंने इस दृश्य को अपनी आँखों से देखा, वह ऐसी घटना दुबारा देख पाएंगे या नहीं, यकीनी तौर पर नहीं कहा जा सकता। यह घटना कोई सामान्य नहीं थी। जो अंतरिक्ष यात्री साढ़े नौ महीने हवा में तैर कर जीवन बिता रहे थे, उनके उनका जीवन वास्तव में बदल चुका था। धरती पर जीने के तरीके अलग हैं, यहां गुरुत्वाकर्षण बल के कारण सभी कार्य आसान हैं। यह आसान इसलिए भी हैं, क्योंकि यह एक सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा बन जाती हैं। अंतरिक्ष का जीवन अलग है। वहां सभी वस्तुएँ हवा तैरती रहती हैं। खाने की वस्तु को भी हवा में तैरते हुए ही खाया जा सकता है। वहां नींद लेने के लिए खुद को बेल्ट से बाँधना होता है। अगर ऐसा नहीं करते तो तैरते हुए सोना बहुत ही मुश्किल काम है। यहां तक कि प्यास बुझाने के लिए अपनी पेशाब और पसीने को शुद्ध करके पीने योग्य बनाया जाता है और वही पीने के काम आता है। शून्य गुरुत्वाकर्षण की अवस्था शरीर पर कई प्रकार के प्रभाव उपस्थित करती हैं। इससे शरीर का संतुलन धरती पर रहने जैसा नहीं होता। रक्त संचरण भी सामान्य नहीं होता। इतना होने के बाद भी इन चार अंतरिक्ष यात्रियों ने साहसिक यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा किया। नासा ने इस अभियान को बखूबी अंजाम दिया। वर्तमान में अंतरिक्ष विज्ञान को शोध के अनेक विषय देने का काम किया है। भारत भी इस मामले में किसी भी दृष्टि से पीछे नहीं है। भारत ने जिस प्रकार से अपने चंद्रयान अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया, वह सारी दुनिया को अचरज में डालने जैसा ही है। इसलिए भारतीय वैज्ञानिक भी अंतरिक्ष के लिए एक उपलब्धि को पाने जैसा ही कार्य कर रहे हैं। चूँकि सुनीता विलियम्स भी भारतीय मूल की हैं, इसलिए नासा की इस उपलब्धि को भारतीय प्रतिभा का कायल माना जा रहा है। आज का अमेरिका बिना भारतीय प्रतिभा के आगे नहीं बढ़ सकता। ऐसा अमेरिका के कई क्षेत्रों में साबित हो रहा है। सुनीता विलियम्स के जीवन और उनके कार्य में भारतीय संस्कार विद्यमान हैं। इससे पूर्व अंतरिक्ष में जाते समय वे अपने साथ भागवत गीता ले गई थीं और इस बार भगवान गणेश की प्रतिमा साथ लेकर गईं।

सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर सहित चार सहयोगियों ने वहां पर साढ़े नौ महीने जो शोध किया, वह अंतरिक्ष विज्ञानियों के लिए एक ऐसा ऐतिहासिक दस्तावेज ही कहा जाएगा, जो मिसाल है। आने वाले समय में विज्ञान जगत इनसे बहुत कुछ सीखेगा, यह तय है। अंतरिक्ष में जाने का यह मामला पहला नहीं है, लेकिन इतनी लम्बी अवधि तक अंतरिक्ष में रहने का यह पहला मामला है। इसलिए इसे औरों से अलग किस्म के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय मूल की बेटी सुनीता के इस हौसले का पूरे मन से अभिवादन।

हेल्थ

टीबी की पहचान, उपचार और रोकथाम में जनभागीदारी जरूरी

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

विश्व क्षय रोग दिवस हर साल 24 मार्च को दुनियाभर में मनाया जाता है। इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य क्षय यानि टीबी के रोग के बारे में जनसाधारण में सतर्कता जागरूकता बढ़ाना और लोगों को इसके इलाज के लिए सजग करना है। क्षय रोग अथवा टीबी एक छूत का रोग है और इसे प्रारंभिक अवस्था में न रोका गया तो जानलेवा साबित होता है। यह रोग एक बैक्टीरिया के संक्रमण के कारण होता है। इसे फेफड़ों का रोग माना जाता है। टी.बी. के बैक्टीरिया साँस द्वारा शरीर में प्रवेश करते हैं। रोग से प्रभावित अंगों में छोटी-छोटी गाँठ बन जाती हैं। उपचार न होने पर धीरे-धीरे प्रभावित अंग अपना कार्य करना बंद कर देते हैं और यही मृत्यु का कारण हो सकता है। विश्व टीबी दिवस 2025 की थीम – हां! हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं: प्रतिबद्ध, निवेश, परिणाम है रखी गई है।

टीबी यानि क्षय रोग एक संक्रामक बीमारी है, जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस बैक्टीरिया के कारण होती है, जिसके चलते लाखों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। इसका इलाज लंबे समय तक चलने वाला होता है और इसे पूरी तरह ठीक करने के लिए विशेष दवाइयों का पूरा कोर्स लेना आवश्यक होता है। इन दवाओं का पूरा कोर्स करने से टीबी दोबारा होने की संभावना बेहद कम हो जाती है। यदि टीबी की दवा बीच में छोड़ दी जाए तो बैक्टीरिया दवा प्रतिरोधी हो सकता है, जिससे इलाज मुश्किल हो जाता है। भारत सरकार राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम' के माध्यम से 2025 तक टीबी मुक्त भारत बनाने के लक्ष्य पर कार्य कर रही है। इस दिशा में केवल सरकार का प्रयास ही पर्याप्त

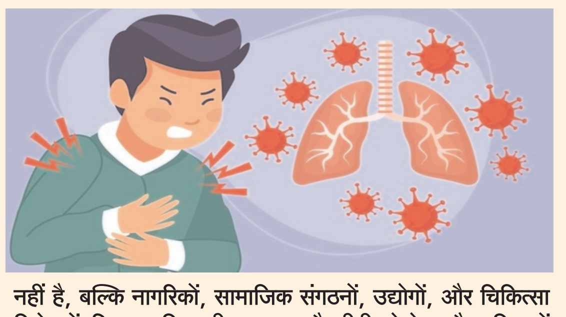

नहीं है, बल्कि नागरिकों, सामाजिक संगठनों, उद्योगों, और चिकित्सा विशेषज्ञों की सहभागिता भी आवश्यक है। टीबी को देश और दुनिया में बड़ी बीमारियों में से एक माना जाता है। एक मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वर्ष 2000 से टीबी को खत्म करने के वैश्विक प्रयासों ने अनुमानित 7 करोड़ से अधिक लोगों की जान बचाई गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार रोजाना लगभग 3,500 लोगों की मौत टीबी के कारण होती है और लगभग 3,000 लोग इस बीमारी से पीड़ित होते हैं। नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित पोषण, दवाइयों का पूरा कोर्स, और सामाजिक समर्थन – इन चार प्रमुख स्तंभों पर ध्यान देकर हम टीबी को जड़ से समाप्त कर सकते हैं। टीबी के खिलाफ लड़ाई में भारत ने जो बहुत बड़ा काम किया है, वो है, जनभागीदारी। भारत ने टीबी मुक्त भारत' के अभियान से जुड़ने के लिए देश के लोगों से नि-क्षयमित्र' बनने का आह्वान किया था। मोदी सरकार ने टीबी के मरीजों की स्क्रीनिंग के लिए, उनके ट्रीटमेंट के लिए, उनको आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा है। टीबी की मुफ्त जांच के लिए, देश भर में लैब्स की संख्या बढ़ाई गई है। ऐसे स्थान जहां टीबी के मरीज ज्यादा हैं, वहां पर विशेष फोकस के रूप में कार्ययोजना बनाई जाती है। टीबी मुक्त होने के लिए भारत टेक्नोलॉजी का भी ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर रहा है। हर टीबी मरीज के लिए जरूरी केयर को ट्रैक करने के लिए नि-क्षयपोर्टल बनाया गया है।

भारत में टीबी के मरीजों की संख्या दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा है। यदि एक औसत निकालें तो दुनिया के 30 प्रतिशत टीबी रोगी भारत में पाए जाते हैं। टी.बी. का पूरा नाम है ट्यूबरकुल बेसिलाइ। यह एक छूत का रोग है और इसे प्रारंभिक अवस्था में ही न रोका गया तो जानलेवा साबित होता है। यह व्यक्ति को धीरे-धीरे मारता है। दुनिया में छह-सात करोड़ लोग इस बीमारी से ग्रस्त हैं और प्रत्येक वर्ष 25 से 30 लाख लोगों की इससे मौत हो जाती है। देश में हर तीन मिनट में दो मरीज क्षयरोग के कारण दम तोड़ देते हैं। हर दिन चालीस हजार लोगों को इसका संक्रमण हो जाता है। क्षय रोग के कीटाणु, संक्रमित लोगों के खांसने, छींकने, बातें करने और थूकने से हवा में घुलकर रोग को बढ़ाते हैं। किसी भी व्यक्ति की सांसों में घुलकर यह दण्डाणु उसे प्रभावित कर सकते हैं। क्षय रोग की शुरुआत में आप थोड़ा सा काम करने पर थक जाते हैं आपको कमजोरी महसूस होने लगती है। कई बार लोग इस लक्षण को गंभीरता से नहीं लेते हैं और धीरे-धीरे आपके शरीर पर टी.बी के बैकटेरिया आक्रमण करना शुरु कर देते हैं। बुखार आना, सर्दी जुकाम होना यह तपेदिक होने की शुरुआत भी हो सकते हैं। कई बार यह अपने आप ठीक भी हो जाता है लेकिन कभी-कभी यह वापस भी आ जाता है। ऐसे में बिना देर किए तुरंत क्षय रोग का टेस्ट कराएं। उपचार और रोकथाम योग्य होने के बावजूद टीबी रोग, दुनिया भर में मौत का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। आइए टीबी के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हों और इस बीमारी पर काबू पाने के लिए आवश्यक ज्ञान और संसाधनों के साथ समुदायों को सशक्त बनाएं।

नजरिया

जानलेवा बनता ध्वनि-प्रदूषण, कब जागेगी संसद ?

हरीश शिवनानी

मोबाइल : 9829210036

पहली नज़र में यह बात निश्चित रूप से हैरान करने वाली लग सकती है कि ध्वनि-प्रदूषण कैसे जानलेवा हो सकता है, लेकिन यह सच है। पिछले एक साल में ही ध्वनि-प्रदूषण की वजह से चार मौतें हो चुकी हैं। ताज़ी घटना अजमेर की है। दो मार्च की आधी रात को अजमेर के पुष्कर रोड पर कुछ युवक गाड़ी में तेज आवाज़ में म्यूज़िक सिस्टम बजाकर नाच रहे थे। लगातार हो रहे शोर-शराबे से परेशान होकर पास ही रहने वाले वकील पुरुषोत्तम जखेटिया ने उनका विरोध करते हुए म्यूज़िक सिस्टम बंद करने को कहा, इस पर नशे में धुत्त उन युवकों ने उनको लाठियों से पीट-पीट कर बुरी तरह घायल कर दिया। सिर में लगी गम्भीर चोट के कारण वकील ने सात मार्च को अस्पताल में दम तोड़ दिया। पिछले वर्ष सितंबर में भिलाई के हथखोज के धार्मिक पांडाल में तेज वोल्यूम में बज रहे डीजे से दिल के मरीज पचपन वर्षीय धन्नूलाल साहू ने परेशान होकर डीजे बंद करने या वोल्यूम कम करने को कहा लेकिन आयोजक उससे उलझ पड़े और डीजे बजाने की अनुमति मिलने का पत्र उसके मुँह पर फेंक दिया। शोर-शराबे और अपमान से व्यथित हार्ट-पेशेंट साहू ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सितंबर में ही छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में साउंड सिस्टम के भारी शोर के कारण एक व्यक्ति के दिमाग की नस फट गई । अक्टूबर में भोपाल में दुर्गापूजा विसर्जन के दौरान डीजे की तेज आवाज से तेरह वर्षीय समर बिल्लोरे की मौत हो गई। इस लिहाज से पिछले दिनों राजस्थान विधान सभा में जब लाउड स्पीकरों पर रोक लगाने या उनकी आवाज को नियंत्रित करने की जो मांग उठाई गई है, उसे समूचे परिवेश की सुरक्षा के लिए सकारात्मक रूप से लेना चाहिए।

हम इतिहास के जिस कालखंड में जी रहे हैं, उस दौर में धनि-प्रदूषण सिर्फ़ मनुष्यों को ही नहीं, बल्कि नभचर और जलचर प्राणियों तक को चपेट में ले चुका है। ध्वनि-प्रदूषण आधुनिक काल की ही देन नहीं है, कहा जाता है कि जूलियस सीज़र ने रात के समय रोम की पक्की सड़कों पर रथ चलाने पर रोक लगा थी थी,क्योंकि उनके शोर की वजह से वो रात को सो नहीं पाता था। ध्वनि दबाव स्तर को डेसिबल (डीबी) में मापा जाता है। एक लाउड स्पीकर का डेसिबल स्तर आमतौर पर 100-120 डेसिबल के बीच होता है, लेकिन जब चारों दिशाओं में लाउड स्पीकर लगाए जाते हैं और वे फुल वोल्यूम में बज रहे होते हैं, तो ध्वनि का डेसिबल स्तर 140 डेसिबल या अधिक हो सकता है। यही बात किसी समारोह में बज रहे म्यूज़िक सिस्टम के लिए भी कही जा सकती है। भारतीय समाज की दिक्क़त यह है कि यहाँ धार्मिक स्थलों, सामाजिक-धार्मिक कार्यक्रमों, जलसों, राजनीतिक सभाओं, रैलियों, धरनों-प्रदर्शनों और वैवाहिक-सामाजिक समारोहों में लाउड-स्पीकरों के अलावा सभी तरह के ध्वनि-विस्तारक उपकरणों का विवेकहीन तरीकों से इस्तेमाल किया जाता है। इनके बेतहाशा इस्तेमाल की स्थिति अब अराजकता की सीमा तक पहुंच गई है। भयानक शोर-शराबा और कोलाहल न सिर्फ़ मनुष्य के व्यवहार और आचरण पर नकारात्मक असर डालता है बल्कि ध्वनि-प्रदूषण सामाजिक और कानून-व्यवस्था के लिए भी चुनौती बनता जा रहा है।

अंधाधुंध लाउड स्पीकरों, म्यूज़िक सिस्टम या किसी भी ध्वनि-विस्तारक उपकरणों का उपयोग व्यवहार में चिड़चिड़ापन, झुंझलाहट ही नहीं लाता, उसे हिंसक भी बना सकता है। ध्वनि प्रदूषण का प्रभाव पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों पर भी गहरा होता है। कई पक्षी और जंगली जानवर संचार के लिए ध्वनि पर निर्भर होते हैं। लगातार शोर से जानवरों में तनाव हार्मोन (जैसे कॉर्टिसोल) बढ़ते हैं। अत्यधिक शोर के कारण कई प्रजातियां अपने प्राकृतिक आवास को छोड़ने पर मजबूर हैं, जिसका नकारात्मक प्रभाव पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ता है। समुद्री जीव जैसे व्हेल,डॉल्फिन और अन्य मछलियां दिशा-निर्धारण और संचार के लिए ध्वनि तरंगों पर निर्भर करती हैं।

लिहाज़ा यह समय का तकाजा है कि अब संसद ही कोई कानून पारित करे और सभी ध्वनि-विस्तारक उपकरणों के निर्माण में आवाज की सीमा (डेसिबल) अधिकतम उस मानक तक तय कर दे जो वैज्ञानिकों ने प्राणियों के लिए सुरक्षित मानी है। मैन्यूफैक्चरिंग स्तर पर ही उपकरण की अधिकतम सीमा तय हो तो इस समस्या से काफ़ी हद तक निज़ात मिल सकता है। संसद के साथ-साथ न्यायपालिका को भी सजग रहना होगा कि कार्यपालिका इन कानूनों की सख़्ती से पालन करे।

हमारे देश में बुनियादी समस्या यह है कि केंद्र और राज्य सरकारें उन कानूनों और दिशा-निर्देशों की पालना करवाने में बेहद उदासीन हैं। यही वजह है कि ध्वनि-विस्तारक उपकरणों का इस्तेमाल करने वाले स्कूलों-कॉलेजों, प्रतियोगी परीक्षाओं के केन्द्रों, गंभीर बीमारियों के मरीजों वाले अस्पतालों और रहवासी कॉलोनियों के लोगों की असुविधाओं, परेशानियों के बारे में सोचे-समझे बगैर शोर-शराबा फैलाते रहते हैं। ऐसा नहीं कि भारत या उसके विभिन्न राज्यों में ध्वनि-प्रदूषण पर अंकुश के लिए कानून नहीं बने हुए हैं, इस बारे में तो उच्चतम न्यायालय के निर्णय और दिशा-निर्देश भी हैं। ज़रूरत कानूनों, नियम-कायदों और दिशा-निर्देशों की सख्ती से पालना करने और करवाने की है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साइकिल चलाने से सिर्फ स्वास्थ्य बेहतर नहीं होता है, बल्कि चरित्र का निर्माण भी होता : खेल मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को यहां कहा कि साइकिलिंग केवल हमारे स्वास्थ्य को ही बेहतर नहीं बनाती, बल्कि यह हमारे चरित्र को मजबूत करती है।

वह यहां 'फिट इंडिया संडे आन साइकिल' कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस दौरान उन्होंने 500 से अधिक साइकिल सवारों का नेतृत्व किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मोटापे से लड़ने और स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन शैली अपनाने के संदेश का प्रसार किया।

साइकिल रैली के बाद मांडविया ने नागरिकों को मोटापे से लड़ने और देश भर में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए अपनी दिनचर्या में साइकिल चलाने को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, साइकिल चलाने से केवल स्वास्थ्य ही बेहतर नहीं होता है, बल्कि चरित्र का निर्माण होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है और हमारे देश का भविष्य भी आकार लेता है। यह केवल परिवहन का एक साधन नहीं है, बल्कि एक स्वस्थ, अधिक टिकाऊ भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। साइकिल चलाने को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर हम अपने शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं, प्रदूषण को कम कर सकते हैं और पर्यावरण को हरा-भरा बनाने में योगदान दे सकते हैं।

बिठूर महोत्सव

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को कानपुर में 'बिठूर महोत्सव 2025' में कलाकारों को सम्मानित करते हुए।

आंतरिक और बाहरी षड्यंत्रों के बावजूद पाकिस्तान आगे बढ़ता रहेगा : जरदारी

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने रविवार को कहा कि उनका देश आंतरिक और बाहरी साजिशों के बावजूद आगे बढ़ता रहेगा। ऐवान-ए-सद्र (राष्ट्रपति भवन) में पाकिस्तान दिवस सैन्य परेड को संबोधित करते हुए जरदारी ने राष्ट्र को बधाई दी और कहा कि पाकिस्तान का उद्देश्य ऐसे कल्याणकारी राज्य (देश) की स्थापना करना था जहां कानून का शासन सर्वोच्च हो। उन्होंने कहा, पाकिस्तान कई बलिदानों के बाद हासिल हुआ था और हम इसे सुरक्षित रखने के लिए किसी भी कुर्बानी से पीछे नहीं हटेंगे।

उन्होंने कहा कि एक मजबूत और दृढ़ राष्ट्र होने के नाते पाकिस्तान के पास चुनौतियों का सामना करने की क्षमता है और ''हम आंतरिक और बाहरी साजिशों के बावजूद आगे बढ़ते रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत ने हमेशा पाकिस्तान पर बुरी नजर डालने की कोशिश की है तथा 'फितना-ए-ख्वारज' (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) के आतंकवादी भी देश के लिए खतरा बने हुए हैं। उन्होंने कहा, हम उन्हें बताना चाहते हैं कि पाकिस्तानी राष्ट्र और उसके सशस्त्र बल कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं तथा उनके नापाक मंसूबों को नाकाम कर देंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान की विदेश नीति शांति और विकास पर आधारित है तथा वह शांति एवं समानता के आधार पर सभी पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण संबंध बनाने के लिए तत्पर है। जरदारी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कश्मीर के लोगों को संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के आलोक में अपना भविष्य तय करने में सहायता करने की अपील भी की। पाकिस्तान दिवस 23 मार्च 1940 को पारित किए गए लाहौर प्रस्ताव की याद में हर साल 23 मार्च को मनाया जाता है।

फिल्म 'कर्ज' के लिए ट्रॉफी मिलते ही नीतू सिंह ने पति ऋषि कपूर को किया याद

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने सोशल मीडिया पर अभिनेत्री नीतू कपूर की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह अपने दिवंगत पति ऋषि कपूर की ओर से ट्रॉफी प्राप्त करती दिखीं। फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर मुंबई में चल रहे रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल की एक तस्वीर शेयर की। तस्वीर में नीतू ट्रॉफी पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा, रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल में 'कर्ज' की रिलीज के 45 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में ट्रॉफी प्राप्त करते हुए जब नीतू ऋषि कपूर ने अपने पति ऋषि कपूर को भगवान की ओर देखते हुए श्रद्धांजलि दी। यह हम सभी के लिए वास्तव में एक भावनात्मक क्षण था। हमने ऋषि कपूर को एक बेहतरीन अभिनेता और व्यक्ति के रूप में याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

'कर्ज' एक सफल फिल्म है जो पुनर्जन्म पर आधारित है। इस फिल्म का रीमेक साल 2008 में हिंदी में किया गया, जिसमें हिमेश रेशमिया ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इससे पहले घई ने एक पोस्ट शेयर कर बताया था कि साल 1980 में रिलीज 'कर्ज' की पटकथा को उन्होंने कैसे लिखा। फिल्म से जुड़े एक सीन का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि एक सीन के इर्द-गिर्द उन्होंने फिल्म की पटकथा लिख डाली थी।

'कर्ज' से जुड़े एक सीन की तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए सुभाष घई ने लिखा, फिल्म 'कर्ज' का निर्माण केवल इस एक सीन की वजह से हुआ। एक ऐसा क्षण जब मां की आत्मा अपने मरे हुए बेटे की आत्मा को पहचान जाती है और उसके बेटे मोंटी को छोड़कर हर कोई हैरान रह जाता है। मैंने इस सीन के इर्द-गिर्द पूरी कहानी की पटकथा लिख डाली थी। कभी नहीं सोचा था कि यह एक कल्ट क्लासिक होगी और 45 साल बाद भी इसकी चर्चा होगी।

एक पोस्ट में सुभाष घई ने बताया था कि उनकी फिल्म निर्माण कंपनी 'मुक्ता आटर्स' कलाकारों की नहीं बल्कि उन लेखकों और निर्देशकों की तलाश कर रही है, जो पैन सिनेमा के लिए बेहतरीन काम कर सकें। घई ने बताया कि वह दर्शकों के लिए फिर से कुछ नया और शानदार लेकर आने के लिए तैयार हैं। 'कर्ज' का रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर 21 मार्च को सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर पीवीआर बीकेसी बांद्रा, मुंबई में हुआ।

अनिद्रा से हो सकती हैं हृदय संबंधी समस्याएं, मनोवैज्ञानिक ने अच्छी नींद के लिए सुझाव दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कॉलेज टाउनशिप (अमेरिका)।अमेरिका के लगभग 10 प्रतिशत लोगों का कहना है कि वे अनिद्रा की समस्या से जूझ रहे हैं और लाखों अन्य लोग अच्छी नींद नहीं आने की शिकायत करते हैं। अनिद्रा को लेकर किए जा रहे एक शोध में पता चला कि खराब नींद के कारण हृदय रोग सहित कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। पेन स्टेट कॉलेज ऑफ मेडिसिन में मनोचिकित्सा और व्यवहारिक स्वास्थ्य, तंत्रिका विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. जूलियो फर्नांडीज-मेंडोजा ने इस शोध में जिन बिन्दुओं पर चर्चा की है उनमें नींद की जरूरत, किशोरों को वयस्कों की तुलना में अधिक नींद की जरूरत क्यों होती है, और बिना दवा के कैसे अच्छी नींद ले सकते हैं, शामिल हैं। रात में लगभग सात से आठ घंटे की नींद लेने वाले व्यस्कों का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य आमतौर पर सबसे अच्छा होता है और ज्यादा समय तक जीते हैं। लेकिन उम्र के साथ ये सुझाव थोड़े बदल जाते हैं। जिन व्यस्कों की उम्र 65 वर्ष से अधिक उनके लिए रात में केवल छह से सात घंटे की नींद भी काफी हो सकती है। इसलिए, अगर कोई बुजुर्ग स्वस्थ हैं तो उन्हें इस बात पर चिंतित नहीं होना चाहिए कि वे केवल छह घंटे की नींद ले पा रहे हैं। युवाओं को सबसे अधिक कम से कम नौ घंटे की नींद की आवश्यकता होती है और कुछ छोटे बच्चों को इससे भी अधिक की जरूरत हो सकती है। हमारी टीम ने सबसे पहले पाया कि अनिद्रा की शिकायत करने वाले लोगों में उच्च रक्तचाप और हृदय रोग का जोखिम अधिक होता है। किशोरों और वयस्कों दोनों में, हमने पाया कि अनिद्रा और कम नींद के कारण तनाव, हार्मोन का स्तर और सूजन जैसी समस्याएं हो सकते हैं। आमतौर पर इस तरह के लक्षण हृदय रोग से पहले दिखाई देते हैं।

कैफीन और शराब का कम सेवन, धूम्रपान न करना, नियमित रूप से व्यायाम, ये ऐसी आदतें हैं जो अच्छी नींद में मदद करते हैं। मैं सलाह देता हूं कि भोजन को न छोड़ें, रात को बहुत देर से भोजन न करें और बहुत ज्यादा भोजन भी न करें। लेकिन लंबे समय से नींद की समस्या से जूझ रहे लोगों को व्यवहार में और बदलाव करने की जरूरत हो सकती है। अध्ययन छह नियमों को मानने की सलाह देता जो आपकी नींद में सुधार कर सकते हैं। ये नियम ऐसे हैं जिनका पालन करने में आपको ज्यादा समय भी नहीं लगेगा और फिर उसके बाद आप यह तय कर सकते हैं कि इन नियमों को अपनी जीवनशैली में कैसे अपनाना है।

चाहे कुछ भी हो आप हर दिन एक ही समय पर उठें। चाहे आपको कितनी भी नींद आए। यह आपके नींद/जागने के चक्र को स्थिर करेगा। सोने और संभोग के अलावा बिस्तर पर कोई भी अन्य काम न करें। जब आपको नींद न आए तो बिस्तर पर बेवजह न लेटे रहें। इसके बजाय बिस्तर से उठें, अगर हो सके तो दूसरे कमरे में जाकर ऐसी कोई गतिविधि करें जो मजेदार या आरामदेह हो। जब आप सोने के लिए तैयार हों, तभी बिस्तर पर वापस जाएं।

खराब नींद के बाद भी अपने रोजाना के कामकाज जारी रखें। दिन के समय नींद की कमी को पूरा करने की कोशिश न करें। अगर आपको अनिद्रा की समस्या है और पिछली रात अच्छी नींद नहीं आई तो दिन या शाम के दौरान झपकी न लें, न सोएं।

शबाना आज़मी ने ऑन और ऑफ स्क्रीन शालिनी पांडे को प्रेरित किया

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शालिनी पांडे को दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी ने बहुत प्रेरित किया है। 'अर्जुन रेड्डी', 'जयेशभाई जोरदार' और 'महाराज' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाली शालिनी पांडे ने एक बार फिर अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया है। 'डब्बा कार्टेल' में 'राजी' के रूप में उनका किरदार खूब सराहा जा रहा है। इस बहुचर्चित सीरीज़ में शालिनी को पहली बार दिग्गज अदाकारा शबाना आज़मी के साथ काम करने का मौका मिला। हाल ही में एक इंटरव्यू में, शालिनी ने इस अनुभव पर बात करते हुए शबाना आजमी के प्रति अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त की और इसे उनके लिए एक विशेष सौभाग्य बताया।

किसी भी युवा अभिनेता के लिए शबाना आज़मी जैसी दिग्गज के साथ स्क्रीन साझा करना किसी सपने से कम नहीं होता। शालिनी पांडे ने भी अपनी इसी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे उन्हें एक इंसान के रूप में जानने का अवसर मिला। अगर मुझे जीवन में आगे बढ़ना है, तो मैं उनके जैसे ही अपने व्यक्तित्व को संवारना चाहूंगी।मेरी फेवरेट को-स्टार शबाना आज़मी हैं। उनके साथ काम करके मुझे बहुत मजा आया, वह बहुत ही प्यारी इंसान हैं। 'डब्बा कार्टेल' के बाद शालिनी पांडे जल्द ही अमेज़न प्राइम वीडियो की वेब सीरीज़ 'बैंडवाले' में नजर आएंगी। इसके अलावा, उनके पास धनुष के साथ एक बेहद रोमांचक फिल्म भी लाइनअप में है।

फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' अगले वर्ष होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

रॉकिंग स्टार यश की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स 19 मार्च 2026 को भव्य रूप से रिलीज़ होगी। 19 मार्च को उगादी, गुड़ी पड़वा और चैत्र नवरात्रि के साथ नए साल का स्वागत किया जाएगा, इसके बाद 20/21 मार्च को ईद-अल-फितर मनाई जाएगी। ऐसे में टॉक्सिक एक भव्य चार-दिन के एक्सटेंडेड वीकेंड में रिलीज़ होगी, जो इसे पूरे भारत में जबरदस्त बढ़त दिलाएगी।यह पहली भारतीय फिल्म है, जिसे कन्नड़ और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में लिखा और शूट किया गया है। इस फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और कई अन्य भाषाओं में डब किया जाएगा। 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' का नया पोस्टर जारी कर दिया गया है, जिसमें यश को आग की लपटों से उभरते हुए

दिखाया गया है।इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का निर्देशन गीतू मोहनदास कर रही हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित फिल्म निर्माता हैं। इस फिल्म का निर्माण वेंकट के. नारायण और यश द्वारा केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टरमाइंड क्रिएशंस के बैनर तले किया जा रहा है।

अभिनेता राजकुमार राव और पत्रलेखा मुंबई में ओटीटीप्ले अवार्ड्स 2025 के लिए पहुंचे।

उर्वशी रौतेला ने अनाथ लड़कियों की शादी में बांटी जलेबी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला अपने व्यस्त शेड्यूल से समय निकालकर अनाथ लड़कियों की शादी कराने के एक कार्यक्रम में शामिल हुईं, जहां वह जलेबी बांटती कैमरे में कैद हुईं। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में 251 वंचित अनाथ लड़कियों की शादी का आयोजन किया गया। समारोह में उर्वशी ने शिरकत की और वहां उपस्थित लोगों को मिठाई बांटी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह सभी को जलेबी परोसती दिखाई दीं। 'डाकू महाराज' की अभिनेत्री हरे रंग के एथनिक परिधान के साथ मैचिंग इयररिंग्स पहने बेहद खूबसूरत दिखीं। इंस्टाग्राम पर वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, भगवान आपके सभी सपने पूरे करें और हर पल को खुशियों से भर दें। वीडियो के बैकग्राउंड में उर्वशी ने ऋतिक रोशन-प्रियंका चोपड़ा स्टारर 'अग्निपथ' के गाने 'अभी मुझ में कहीं' को भी जोड़ा।

उर्वशी का लेटेस्ट वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें सोशल मीडिया यूजर्स उनके व्यवहार और प्यार के लिए खूब तारीफ करते नजर आए। वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी अपनी हालिया रिलीज 'डाकू महाराज' की सफलता से गदगद हैं। उर्वशी वर्तमान में बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'वेलकम 3' की शूटिंग में व्यस्त हैं। अहमद खान के निर्देशन में बनी इस प्रोजेक्ट में अक्षय कुमार, रवीना टंडन, दिशा पटानी, सुनील शेट्टी, लारा दत्ता, बॉबी देओल, जैकलीन फर्नांडीज, परेश रावल, अरशद वारसी, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े और तुषार कपूर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, उर्वशी के पास विवेक चौहान की फिल्म 'बाप' भी है, हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर 'द एक्सपेंडेबल्स' की रीमेक बताई जा रही है। इस प्रोजेक्ट में सनी देओल, संजय दत्त, लंकेश भारद्वाज, अपेक्षा पांडे, जैकी श्रॉफ, मिथुन चक्रवर्ती और जॉनी लीवर समेत अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, उर्वशी अपकमिंग बायोपिक में बीते जमाने की मशहूर अभिनेत्री परवीन बॉबी की भूमिका भी निभाएंगी।

सितंबर को रिलीज होगी 'जॉली एलएलबी 3'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार और अरशद वारसी की जोड़ी वाली फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' 19 सितंबर को रिलीज होगी। फिल्म जॉली एलएलबी 2013 में रिलीज हुई थी, जिसमें अरशद वारसी ने मुख्य भूमिका निभायी थी। इस फिल्म की सफलता के बाद इसका सीक्वल वर्ष 2017 में रिलीज हुआ, जिसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में नजर आये। अब 'जॉली एलएलबी 3' अक्षय और अरशद दोनों सितारे साथ नजर आयेंगे। फिल्म जॉली एलएलबी 3 की रिलीज डेट सामने आ गई है। सुभाष कपूर निर्देशित यह फिल्म इस साल 19 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी। इस फिल्म में अक्षय और अरशद के साथ सौरभ शुक्ला और हुमा कुरैशी भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने एक्स पर फिल्म की रिलीज डेट शेयर की। उन्होंने लिखा, 'अक्षय कुमार-अरशद वारसी की 'जॉली एलएलबी 3' की रिलीज डेट लॉक हो गई। वायकॉम 18 स्टूडियोज ने 19 सितंबर 2025 को बहुप्रतीक्षित फिल्म जॉली एलएलबी 3 के लिए रिलीज डेट लॉक कर दी है, जो फ्रेंचाइजी की सबसे बड़ी फिल्म है। स्टार्स- अक्षय कुमार (जॉली मिश्रा के रूप में) और अरशद वारसी (जॉली त्यागी के रूप में), निर्देशक सुभाष कपूर।'

बच्चों के टैलेंट में भाषा और क्षेत्र कभी बाधा नहीं बन सकता : रेसुल पूकुट्टी

नयी दिल्ली/एजेन्सी

फ़िल्म साउंड डिजाइनर एवं अकादमी अवार्ड विजेता रेसुल पूकुट्टी ने कहा कि बच्चों के टैलेंट में उनकी भाषा और उनका क्षेत्र कभी बाधा नहीं बन सकता है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव स्किल्स में शनिवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में रेसुल पूकुट्टी ने कहा, हर बच्चे में एक कला होती है,जिसको ढूंढना पहचानना एक गुरु का काम होता है। हर बच्चे में अलग अलग प्रतिभायें होती हैं, उनकी प्रतिभा को पहचानने, उसको तरासने का काम इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव स्किल्स संस्थान करेगी। इस मौके पर एनएसडीसी के कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक वेद मणि तिवारी ने कहा कि भारत को रचनात्मक उत्कृष्टता के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए एनएसडीसी से संबद्ध भारतीय रचनात्मक कौशल संस्थान एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मीडिया और मनोरंजन कौशल परिषद से एनएसडीसी अकादमी के तहत शुरू की गई इस पहल को विश्व स्तरीय कौशल विकास और उद्योग-संरेखित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उद्योग-आधारित शिक्षा, लाइव प्रोजेक्ट और पेड प्रशिक्षुता के अनूठे मिश्रण के साथ, यह महत्वाकांक्षी रचनात्मक पेशेवरों के लिए एक लॉन्चपैड के रूप में काम करेगा।

मीडिया कर्मियों से बात करते हुए एमईएससी के कार्यकारी अधिकारी डॉ मोहित सोनी ने बताया कि हमलोग मात्र एक प्रशिक्षण संस्थान नहीं बल्कि फिल्म और मीडिया उद्योग में अपना करियर बनाने वालों के लिए एक ग्लोबल लांच पैड मुहैया कराने की तैयारी में हैं। अभी दिल्ली केंद्र में दो साल को प्रशिक्षण कोर्स चलेगा जिसमें छह महीने किसी प्रोजेक्ट में ऑन जॉब ट्रेनिंग शामिल होगा। दिल्ली के इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ क्रिएटिव स्किल्स में 21 मार्च से 23 मार्च तक आयोजित हो रहे क्रिएटर्स समिट में फिल्म, टेलीविजन, संगीत, सौंदर्य सामग्री निर्माण और मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोग शामिल हुये। दिल्ली क्रिएटर्स समिट'में दूसरे दिन 22 मार्च को मीडिया उद्योग के प्रसिद्ध विशेषज्ञ, अभिनेता, अभिनेत्री जैसे केतकी पंडित, मोहन नादर, रितु जेनजानी, विशाल सिंह, एशानिया माहेश्वरी, डॉ. अखिल कुमार, दिशु खन्ना, हनीफ जी, राधा भट्ट, कुणाल और कार्तिक अहलावत, सिद्धार्थ शर्मा, अंकुश बाली, रवि पवार और मोहसिन खान शामिल हुये।

गौरतलब है कि दिल्ली में बना इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ क्रिएटिव स्किल्स संस्थान का उद्घाटन जल्द ही होने वाला है जो मीडिया का एक विश्व स्तरीय प्रशिक्षण संस्थान होगा और रेसुल पूकुट्टी इस संस्थान के मेंटर (शिक्षक) भी होंगे। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव स्किल्स (आईआईसीएस) नाम का ये प्रशिक्षण संस्थान फिलहाल मीडिया एंड स्किल्स काउंसिल (एमईएससी) के साथ मिलकर 'दिल्ली क्रिएटर्स समिट' का आयोजन कर रहा है। उल्लेखनीय है कि एमएससी राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद (एनएसडीसी) से संबद्ध है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट व सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में समस्त बिहारी समाज व विविध भाषिक भाजपा प्रकोष्ठ के सहयोग से शनिवार को पैलेस ग्राउंड स्थित किंग्स कोर्ट सभागार में बिहार स्थापना दिवस समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया।

आदिनाथ जन्मकल्याणक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूर के सुविधिनाथ राजेंद्र जिनालय में रविवार को आदिनाथ भगवान का जन्मकल्याणक मनाया गया, जिसमें शेषमल गेनाजी कम्पनी परिवार सहित अन्य श्रद्धालुओं ने प्रभु आदिनाथ भगवान की विशेष आरती की। आरती मंडल के मनीष मुनोत, अनिल श्रीश्रीमाल दीपक खिंवसेरा, वैभव भंडारी, जीतू बालर आदि ने आरती की व्यवस्था संभाली।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जैन युवा संगठन के अध्यक्ष जैन महावीर मुणोत के नेतृत्व में उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, अतिथि आमंत्रण समिति चेयरमैन मोती गोटावत, मोनिश मुथा एवं इंदर नाहर ने चिकपेट क्षेत्र के विधायक उदय गरुड़ाचार से मुलाकात कर उन्हें 10 अप्रैल को फ्रीडम पार्क में आयोजित होने वाले श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव के लिए आमंत्रित किया।

देश-प्रदेश के विकास में बिहारियों का योगदान अतुलनीय है : विजयेन्द्र येड्डीयुरप्पा

पैलेस ग्राउंड किंग्स कोर्ट सभागार में मनाया गया बिहार स्थापना दिवस
बड़ी संख्या में बिहार प्रवासी व स्थानीय लोग हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट व सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में समस्त बिहारी समाज व विविध भाषिक भाजपा प्रकोष्ठ के सहयोग से शनिवार को पैलेस ग्राउंड स्थित किंग्स कोर्ट सभागार में बिहार स्थापना दिवस समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ परिषद के सचिव पंडित राजगुरु सहित अन्य ब्राह्मणों के द्वारा मंगलाचरण से हुआ। इस स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक के भाजपा अध्यक्ष एवं भाजपा विधायक विजयेंद्र येड्डीयुरप्पा, कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक डॉ. अश्वत्थनारायण, बिहार-नवादा के सांसद विवेक ठाकुर, बिहार के राज्य मंत्री रत्नेश कुशवाहा, भाजपा नेता निखिल आनंद, दत्तात्रेय आदि उपस्थित थे। मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। तदुपरांत मां भारती के चित्र पर पुष्प अर्पण किया। इस कार्यक्रम में कर्नाटक भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और बिहार दिवस प्रभारी मुरुगेश निरानी, पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वत्थनारायण, भाजपा के प्रदेश सचिव तमेश गौड़ा, शरणु तरीकेरे, जिला अध्यक्ष एस. हरीश और प्रकोष्ठों के राज्य समन्वयक एस. दत्तात्रेय, बिहार राज्य सचिव रत्नेश कुशा और ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव निखिल आनंद ने भाग लिया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि कर्नाटक के भाजपा अध्यक्ष एवं भाजपा विधायक विजयेंद्र येड्डीयुरप्पा ने अपने भाषण में कहा कि हमारे गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच, कार्य और कार्यान्वयन ने भारत को एक प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत खुशी और गर्व की बात है कि मोदीजी एक वैश्विक नेता के रूप में उभरे हैं। उन्होंने बड़ी संख्या में बिहारी समुदाय व स्थानीय लोगों की उपस्थिति देखकर खुशी जताते हुए कहा कि बिहार और कर्नाटक के लोग एक साथ बिहार दिवस मना रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में बिहार के लोगों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया और एक विश्व रिकार्ड बनाया। भारत विविधता में एकता वाला देश है। यहाँ विभिन्न जातियों और धर्मों के लोग रहते हैं। अनेक भाषाएं होने के बावजूद भी भारत ने अपनी अखंडता बनाए रखी है और यह भारत एक महान राष्ट्र है। विजयेंद्र ने कहा कि मोदी पिछले 11 वर्षों से भारत को विकसित भारत बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने राष्ट्र के विकास के संबंध में अच्छे निर्णय लिए हैं। उनके प्रधानमंत्री बनने से पहले भारत 11वीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति था और भारत अब विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा है। हमारे प्रधानमंत्री हर जगह कहते हैं, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास । उन्होंने कहा की कर्नाटक के विकास में बिहारी समुदाय का महत्वपूर्ण योगदान है। वे हमेशा बिहार व बिहार प्रवासियों की सेवा के लिए हमेशा तैयार है। डॉ अश्वत्थनारायण ने कहा कि कर्नाटक ही नहीं पूरे देश के विकास में बिहारियों का अभूतपूर्व योगदान है। सांसद विवेक ठाकुर ने कहा कि कर्नाटक का बिहार से पुराना संबंध है। लव कुश का जन्म कर्नाटक राज्य में ही हुआ था। रत्नेश कुशवाहा ने कहा कि कर्नाटक में आकर मुझे मिनी बिहार दिखाई देता है। इसके साथ ही कार्यक्रम संयोजक हरिश्चंद्र झा, डॉ आशुतोषकुमार, कार्यक्रम अध्यक्ष उदयकुमार, सनी राज, सुनील ठाकुर ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस मौके पर भजनों व गजलों सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में लगभग 1500 लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ-साथ परिषद के राजेश्वरसिंह ,रामलखन सिंह, एसके उपाध्याय, विनयकुमार, मिंटू दुबे, रवि रंजन, दीपेश कुमार, प्रवीण उपाध्याय, अमित झा, आशीष मिश्रा, संजय सिंह, राहुल शर्मा, अजीत पोद्दार आदि उपस्थित थे। मंच का संचालन डॉक्टर विनय कुमार यादव, पंडित राजगुरु एवं डॉ आशुतोष कुमार ने किया। वीर बहादुर ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

सुशासन वह होता है जिसमें सबके प्रति न्याय की गारंटी हो : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थित वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में रविवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जाति, भाषा, प्रांत और संप्रदायों का भेदभाव इतना जहरीला होता है कि वह न्याय, नीति, मानवता और कर्तव्य का बोध कभी नहीं होने देता। इनके बलबूते पर अयोग्य भी सत्ता की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं। नीति शास्त्र कहता है कि अयोग्य के पास आई हुई सत्ता, सामर्थ्य और शक्ति सदैव लोगों के शोषण तथा उत्पीड़न का ही काम करती है। कमोबेश हम अपने देश के अनेक प्रांतों में और विश्व के अनेक देशों में यही स्थिति देख रहे हैं। यह कलयुग की करुण दर्दनाक कथा है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि राजा और प्रजा के अपने-अपने कर्तव्य होते हैं। दोनों की मर्यादाएं होती हैं। पुण्य के प्रताप से कोई राजा बनता है। प्रजा उसके शासन में सुख-शांति से जीने की अभिलाषा रखती है। भेदभाव और अन्याय राजा की अयोग्यता व दुर्भाग्य के सूचक हैं। ऐसे राजा को प्रजापालक नहीं कहा जा सकता। गुणों से राजा यशस्वी बनता है, लेकिन गुणहीन या अवगुणी को इतिहास में कलंक के रूप में देखा जाता है। लोकतंत्र का यह कमजोर और विषमतापूर्ण पक्ष है कि यहां आधी से कम आबादी का समर्थन पाकर भी कोई राजा बन जाता है, सत्ता पर काबिज हो जाता है। लोकतंत्र में गुण महत्वपूर्ण नहीं होते, वोट महत्वपूर्ण होते हैं। गिनती में गुणवान यदि पिछड़ जाता है तो वह रंक बन जाता है और गिनती में यदि अवगुणी आगे रहता है तो वह राजा बन जाता है। इस खेल में न्याय-अन्याय का कोई नीति निर्धारण नहीं होता।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा लोकतंत्र न्याय की कसौटी नहीं है। फिर भी सुशासन उसे ही कहा जा सकता है जहां किसी के प्रति अन्याय नहीं होता और सबके प्रति न्याय की गारंटी होती है। भारतीय संस्कृति की प्राचीन राज्य व्यवस्था इसी प्रकार की थी। रविवार को राजाजीनगर से पदयात्रा करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी एवं सहवर्ती श्रमण विजयनगर स्थित स्थानक भवन पहुंचे। सैकड़ों युवा उनके साथ पदयात्रा में सम्मिलित हुए।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

नवनिर्वाचित अध्यक्ष गोपालकुमार व सचिव सन्नी जैन की टीम ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर स्थित एक होटल में शनिवार शाम को मारवाड़ी युवा मंच (मायुम) बेंगलूरु की वर्ष 2025-26 की नई कार्यकारिणी समिति ने शपथ ली। इस 26वें शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व शाखा अध्यक्ष शिव टेकड़ीवाल, आनंद अग्रवाल, आलोक सराफ, बिकास पोद्दार, संजय अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य रमाकांत सराफ, सुनील जैन, मनीष मेहनसरिया, पंकज जालान आदि उपस्थित थे। मायुम के अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने सभी का स्वागत करते हुए अपने कार्यक्रम के कार्यों की जानकारी दी। सचिव शुभम लोहिया और कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने आडियो वीडियो प्रजेन्टेशन के माध्यम से वार्षिक प्रतिवेदन पेश किया। इस मौके पर अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू और पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी द्वारा शाखा कार्यकारिणी के सदस्यों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रेसिडेंशियल अवॉर्ड देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में कुछ माह पूर्व हुए राजस्थानी मेले के लिए सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए प्रांतीय अध्यक्ष नीतेश टिबरेवाल व पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी का सम्मान किया गया। इसके साथ ही पवन राजलीवाल और सुशील सैनी को भी सम्मानित किया गया।

दूसरे सत्र में प्रांतीय अध्यक्ष नीतेश टिबरेवाल ने नई कार्यकारिणी समिति को विधिपूर्वक शपथ पाठ करवाया। उसके बाद उन्होंने मारवाड़ी युवा मंच के संविधान, मंच कार्यक्रम और मंच प्रणाली के बारे में जानकारी दी। नई कार्यकारिणी समिति में मायुम बेंगलूरु शाखा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गोपालकुमार अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू, सचिव सन्नी जैन, कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, गौरव शर्मा व प्रदीप अग्रवाल, सहसचिव सोनू शर्मा व तनुज टेकड़ीवाल, सह कोषाध्यक्ष जयेश पोद्दार के साथ साथ कार्यकारिणी समिति सदस्य के रूप में अमित मोदी, अंकित मोदी, अशोक अग्रवाल, अरुण शर्मा, हितेश पोद्दार, अमित यादुका, प्रीतेश बुरड़, श्रीकांत खेतान, बरुण अग्रवाल, पुनीत राठी, सत्यम ठिकानिया, विनोद गर्ग, अमित अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश अग्रवाल, शुभम लोहिया, लोकेश सांखला, पंकज सांखला, रवि ख़िरोरिया, मोहित शर्मा ने शपथ ग्रहण की। अंत में नवनिर्वाचित अध्यक्ष गोपाल कुमार ने अपने आने वाले कार्यकाल के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। नवनिर्वाचित सचिव सन्नी जैन सभी को धन्यवाद दिया।

प्रभु आदिनाथ जन्मकल्याणक पर किए धार्मिक अनुष्ठान व गौसेवा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत।बेंगलूरु के ज्ञानोदय दिगम्बर जैन समाज द्वारा भगवान आदिनाथ का जन्मकल्याणक हर्षोल्लास से मनाया गया। मंदिर में सबसे पहले प्रभु प्रतिभा की पूजा की गई तथा विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान के साथ भगवान के गुणों को याद किया गया। पूजा के बाद उपस्थित सभी जनों को मिष्ठान वितरण किया गया। जन्मकल्याणक के अवसर पर युवा वर्ग ने महादेवपुरा गोशाला में गायों की सेवा की तथा गायों को चारा, तरबूज व हरी सब्जी खिलाकर सेवा की। ज्ञानोदय समाज के ट्रस्टी अशोक जैन ने बताया कि हमें तन, मन, धन से गौसेवा करने चाहिए।

राजराजेश्वरीनगर में अक्षय तृतीया वर्षीतप पारणा समारोह की तैयारियां शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रविवार को तेरापंथी सभा, राजराजेश्वरीनगर के कार्यकारिणी सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ की अध्यक्षता में तेरापंथ भवन में की गई। अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने बताया कि 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के अवसर पर वर्षीतप के पारणा-महोत्सव का आयोजन मुनिश्री पुलकितकुमारजी के सान्निध्य में राजराजेश्वरीनगर में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को हम सभी को मिलकर भव्य बनाना है। इस बैठक में सभा के कोषाध्यक्ष देवेन्द्र नाहटा को कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया। अध्यक्ष के आह्वान पर कार्यसमिति सदस्य पारसमल बाफणा ने स्वेच्छा से सहर्ष प्रायोजक के रूप में अपनी सेवा दी। उपस्थित सभी सदस्यों ने पारसमल संदीपकुमार परिवार की अनुमोदना की। बैठक में कार्यकारिणी सदस्यों सहित तेयुप व महिला मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

राकेश छाजेड़ ने बताया कि इस वर्ष चातुर्मास के लिए साध्वीश्री पुण्ययशाजी का 14 अप्रैल को बेंगलूरु प्रवेश होगा। उन्होंने 9 अप्रैल को जीतो द्वारा आयोजित एवं आचार्यश्री महाश्रमण द्वारा इंगित विश्व नवकार महामंत्र दिवस का आयोजन तेरापंथ भवन में करने की सूचना दी। बैठक का संचालन मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया।

तेयुप राजाजीनगर ने 'वीतराग पथ' कार्यशाला का किया आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में रविवार को तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा आयोजित वीतराग पथ कार्यशाला का आयोजन अभातेयुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में स्थानीय तेरापंथ भवन में हुआ। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन पवन मांडोत द्वारा किया गया। तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया ने सभी का स्वागत किया। सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी ने तेयुप की सराहना की। साध्वीश्री संयमलताजी ने बच्चों एवं माता- पिता को प्रेरित करते हुए कहा कि वीतराग पथ जीवन की भोर को सक्षम एवं उज्ज्वल बनाने वाला है। जिस प्रकार किसान अपने खेत में बीज, खाद व पानी डाल कर श्रमपूर्वक फसल का लाभ उठाता है, उसी प्रकार माता- पिता भी जीवन रूपी खेत में संस्कारों की खाद, संयम के बीज व अनुशासन रूपी जल की सिंचाई कर एक अखण्ड व्यक्तित्व का निर्माण करें। साध्वीश्री मार्दवश्रीजी ने संचालन करते हुए कहा कि बच्चों को छोटे छोटे संकल्प एवं व्रत धारण करने की प्रेरणा दी।

वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने एक बस यात्रा का रोचक उदाहरण देते हुए कहा कि हमें हमारे आराध्य एवं चारित्र आत्माओं से निकटता बनाए रखने से हमारा जीवन सफलता की ओर अग्रसर होगा। शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी ने कहा कि शांतिमय जीवन हेतु संयम की ओर अग्रसर हों। कार्यशाला में ज्ञानशाला के 63 बच्चों सहित कुल 130 सदस्यों की उपस्थिति रही। इस पर अवसर पर महिला मण्डल की अध्यक्षा ऊषा चौधरी, अभातेयुप से जैन संस्कार विधि के सहप्रभारी विकास बांठिया, विजयनगर तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

बेंगलूरु के आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल के स्वयंसेवकों ने गणपतिहल्ली में एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जिसमें लगभग 100 ग्रामीण जनों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। शिविर में सभी जनों को नि:शुल्क परामर्श व दवाएं दी गई।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com